04 - रिश्तों के द्वैत में उलझी व्यक्तिगत आजादी

05 - वीर दुर्गादास राठौड़ : शौर्य, पराक्रम एवं वीरता के प्रतीक

A Daily News Magazine

भोपाल

बुधवार, 13 अगस्त, 2025

06 - प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने किया 50 बिस्तरीय सिविल...

07 - एक्स भोपाल की स्मार्ट यूनिट द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह पर...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 334, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

ट्रंप के पाकिस्तान प्रेम के पीछे मामला खाड़ी की सुरक्षा का है

प्रवीण स्वामी

पिछले कई हफ्तों से, दुनिया भर के रणनीतिक मामलों के जानकार यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान के जनरलों के साथ इतना नज़दीकी रिश्ता क्यों बना रहे हैं–जो पिछले सत्तर साल में सबसे लंबा और गंभीर प्रयास है। कुछ वजहों में शामिल हैं– प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मई के चार दिन के युद्ध के अंत पर ट्रंप के बयान को खारिज करना, कश्मीर मुद्दे पर उनकी बार-बार मध्यस्थता की पेशकश को भारत का ठुकराना और सीधी-सादी नस्लभेद की सोच।

ये सब वजहें हो सकती हैं, लेकिन एक और बड़ी वजह है जिस पर भारत को खास ध्यान देना चाहिए। दशकों से, अमेरिका ने मध्य पूर्व में अपने ठिकानों पर हज़ारों सैनिक तैनात रखे हैं, ताकि वहां से दुनिया के बाज़ारों में ऊर्जा की आपूर्ति सुरक्षित रहे। पहले कार्यकाल से ही ट्रंप चाहते हैं कि मध्य पूर्व के देश अपनी सुरक्षा के लिए खुद की सेनाएं तैनात करें। कई विशेषज्ञ मानते हैं कि अमेरिकी सैनिकों को अब भविष्य की बड़ी ताकतों के बीच होने वाले युद्धों की तैयारी करनी चाहिए। ट्रंप के कुछ सलाहकार कहते हैं कि इसका सबसे अहम हिस्सा रियाद, सऊदी अरब में फैला एक विशाल सैन्य मुख्यालय है, जहां एक पाकिस्तानी जनरल उस सेना की कमान संभालता है जो अभी तक बनी ही नहीं है।

43 देशों की इस्लामिक मिलिट्री काउंटर-टेररिज़्म फोर्स (IMCTC) जिसकी कमान 2016 से पाकिस्तान के पूर्व आर्मी चीफ जनरल राहील शरीफ के पास है, उसका महत्व इस कहानी से जुड़ा है कि किस तरह अमेरिका मध्य पूर्व की सबसे बड़ी ताक़त बन गया। 1938 में सऊदी अरब में विशाल तेल-गैस भंडार मिलने के बाद अमेरिका ने वहां के ऊर्जा ढांचे में भारी निवेश किया। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान उस ढांचे की सुरक्षा के लिए अमेरिका ने ईरान, ओमान और सऊदी अरब में सैन्य ठिकाने बनाए।

1950 के शुरुआती वर्षों में, भारत ने शीत युद्ध में किसी पक्ष का समर्थन करने से इनकार किया, जिससे अमेरिका ने पाकिस्तान के साथ गठबंधन पर और गंभीरता से विचार करना शुरू किया। पाकिस्तान का असर मध्य पूर्व में धर्म, बड़ी सेना और तीन अहम क्षेत्रों से लगी सीमाओं के कारण था, ईरान (सोवियत विस्तार का संभावित निशाना), सोवियत समर्थक चीन, और अफगानिस्तान।

CIA के एक आकलन ने चेतावनी दी कि पाकिस्तान को सैन्य मदद देने से भारत का यह शक पक्का होगा कि एशिया की असली समस्या कम्युनिस्ट क्रांति का खतरा नहीं, बल्कि 'पश्चिम के सैन्यवादी देशों की अनुचित नीतियां' हैं, लेकिन अगर पाकिस्तान को सैन्य मदद से वंचित किया गया, तो देश चलाने वाले अभिजात वर्ग कमजोर होंगे और 'कट्टरपंथी धार्मिक ताकतें' मजबूत होंगी, जो पश्चिम से करीबी रिश्तों का विरोध करती हैं और कश्मीर पर ज्यादा आक्रामक नीति चाहती हैं। शुरुआत से ही पाकिस्तान के पास एक ऐसी बढ़त थी जो सिर्फ ताक़त के संतुलन की गणनाओं से आगे थी। जैसे आज ट्रंप करते हैं, वैसे ही अमेरिकी नेता पाकिस्तान के बेहद पश्चिमीकरण और पूंजीवाद समर्थक नेताओं की तुलना भारत के वैचारिक रूप से विरोधी और कभी-कभी सांस्कृतिक रूप से सीमित नेताओं से करते थे।

इसके विपरीत, भारत के नेता अपने साम्राज्यवाद विरोधी विचारों को खुलकर रखते थे और अमेरिका के तुर्की व मिस्र के साथ सुरक्षा समझौतों की आलोचना करते थे, ऐसे मुद्दे जिनमें वाशिंगटन को लगता था कि नई दिल्ली का कोई रणनीतिक हित नहीं है। इसीलिए 1954 में अमेरिका और पाकिस्तान ने पारस्परिक रक्षा सहायता समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे सैन्य मदद के दरवाज़े खुल गए। इसके साथ ही, इस्लामाबाद दक्षिण-पूर्व एशिया संधि संगठन (SEATO) का हिस्सा बन गया, जिसमें अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, न्यूज़ीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, फिलीपींस और थाईलैंड शामिल थे। इसे यूरोप के NATO की तर्ज़ पर बनाया गया था। इस रिश्ते से पाकिस्तान को असली फ़ायदे मिले, 1954 से 1961 के बीच पाकिस्तान एयर फ़ोर्स को 130 F-86F सेबर जेट फ़ाइटर, 24 मार्टिन B-57 जेट बॉम्बर मिले और वह NATO के बाहर पहला देश बन गया जिसे लॉकहीड F-104 स्टारफाइटर (एक हाई-एल्टीट्यूड इंटरसेप्टर) दिया गया।

1973 के युद्ध के बाद प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो की सरकार ने SEATO से नाता तोड़ लिया और चीन के साथ गहरे संबंध बनाने शुरू कर दिए, लेकिन कुछ परिस्थितियों ने इस्लामाबाद को पश्चिमी देशों के लिए एक अहम सहयोगी बनाए रखा। 1970 से ही सैन्य शासक जनरल याह्या ख़ान ने अमेरिका और चीन के बीच संपर्क स्थापित कराए थे, जब चीन ने सोवियत संघ से दूरी बना ली थी। इस रिश्ते ने पाकिस्तान को असली रणनीतिक अहमियत दी। SEATO के अंतिम वर्षों में एक और रणनीतिक धुरी भी बनी, जैसा कि विद्वान मार्विन वाइनबाम और अब्दुल्ला खुर्रम बताते हैं। 1960 के मध्य से, जब सऊदी अरब की राजशाही को डर था कि मिस्र के राष्ट्रपति गमाल अब्देल नासिर की अरब राष्ट्रवादी सरकार यमन में अपने सहयोगियों को मदद देगी, तब सऊदी अरब ने प्रशिक्षण और समर्थन के लिए पाकिस्तान का रुख किया। 1990 में, कुवैत पर इराक के आक्रमण के बाद पाकिस्तान ने 5 हजार सैनिक सऊदी अरब भेजे।

यही रिश्ता अब ट्रंप की पाकिस्तान रणनीति का केंद्र है। मध्य पूर्व की रक्षा के लिए अमेरिकी बेस नेटवर्क, जो दर्जन से ज़्यादा देशों में सीधी मौजूदगी, नौ स्थायी ठिकाने और नौसैनिक संसाधन शामिल करता है, उसकी लागत निकालना आसान नहीं है। अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि यह सालाना 73 अरब से 100 अरब डॉलर (2017 के मूल्य में) के बीच है, यानी अमेरिकी रक्षा बजट का कम से कम 15%। जैसा कि विशेषज्ञ जोनाथन स्टीवेंसन का कहना है कि हालांकि, आगे के ठिकाने बनाए रखने के कई तर्क हैं, जैसे सऊदी अरब जैसे देशों को यह भरोसा दिलाना कि उन्हें परमाणु हथियार लेने की ज़रूरत नहीं है और मजबूत मिसाइल-रोधी सुरक्षा देना, लेकिन आर्थिक दबाव लगातार बढ़ रहे हैं।

तुर्की और मिस्र की तरह, पाकिस्तान भी उन कुछ देशों में है, जिनके पास मानव संसाधन और ढांचा है, जो अमेरिका की सैन्य मौजूदगी घटने पर भी फारस की खाड़ी की सुरक्षा में मदद कर सकते हैं। पाकिस्तान की सेना अमेरिका की ज़रूरत के कई काम–बेस लॉजिस्टिक्स, पोर्ट सुरक्षा, गार्ड ड्यूटी–काफी कम लागत में कर सकती है और IMCTC के तहत लंबे समय तक आतंकवाद-रोधी अभियानों में पाकिस्तानी सैनिकों को लगाने की वास्तविक लागत, अमेरिकी जानें गंवाने से कहीं कम है। फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने दिखा दिया है कि वे बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन उनकी 'कीमत' क्या होगी, यह अभी देखना बाकी है।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रीम कोर्ट ने माना

आधार नागरिकता का सबूत नहीं

● जिंदा लोगों को मृत बताने पर ईसी बोला-गलतियां स्वाभाविक ● बिहार एसआईआर पर हुई सुनवाई, एससी बोला-सवाल उठेंगे

पटना (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को बिहार में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर (सामान्य शब्दों में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन) पर सुनवाई हुई। आरजेडी सांसद मनोज झा की तरफ से पैरवी कर रहे वकील कपिल सिब्बल ने कहा- बिहार की वोटर लिस्ट में 12 जीवित लोगों को मृतक बताया गया है। चुनाव आयोग की तरफ से सीनियर वकील राकेश द्विवेदी ने कहा- इस प्रकार की एक्सरसाइज में कुछ गलतियां स्वाभाविक थीं। यह दावा करना कि मृतकों को जीवित और जीवित को मृत घोषित किया गया, यह सही किया जा सकता है, क्योंकि यह एक मसौदा था। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा- तथ्यों और आंकड़ों के साथ तैयार रहें, क्योंकि प्रक्रिया

शुरू होने से पहले वोटरों की संख्या, प्रोसेस से पहले और अब मृतकों की संख्या समेत अन्य कई सवाल उठेंगे। मामले पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच में सुनवाई चल रही है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को भारतीय चुनाव आयोग के इस विचार का समर्थन किया कि आधार को नागरिकता का निर्णायक प्रमाण नहीं माना जाना चाहिए, और कहा कि इसका स्वतंत्र रूप से सत्यापन किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ बिहार मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। न्यायमूर्ति कांत ने सिब्बल से कहा,चुनाव आयोग का कहना सही है कि आधार को नागरिकता के प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव मंजूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैश कांड मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला ने मंगलवार को महाभियोग प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। स्पीकर ने कहा, मुझे रविशंकर प्रसाद और विपक्ष के नेता समेत कुल 146 सदस्यों के हस्ताक्षर से प्रस्ताव मिला है। उन्होंने बताया कि इस प्रस्ताव में

इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा को पद से हटाने की मांग है। स्पीकर ने जांच के लिए 3 सदस्यीय कमेटी का ऐलान किया। इसमें सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट के 1-1 जज और 1 कानूनविद शामिल हैं। जांच समिति की रिपोर्ट आने तक यह महाभियोग प्रस्ताव लंबित रहेगा। हमने न्यायाधीश जांच अधिनियम के प्रावधानों का अध्ययन किया है। हमने सुप्रीम कोर्ट के घोषित कानूनों के साथ-साथ कई अन्य फैसलों की जानकारी भी रखी है। सुप्रीम कोर्ट ने शिकायत को गंभीर प्रकृति का पाया है। इनहाउस प्रक्रिया का पालन किया। सीजेआई ने इस मामले पर विचार करने के बाद जस्टिस वर्मा की प्रतिक्रिया पर राय बनाई कि इस पर गहन जांच जरूरी है।

उद्योगों की मांग अनुसार कौशल विकास पाठ्यक्रम तैयार करें : राज्यपाल

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि क्रिस्प प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों के उद्योगों में रोजगार की मांग का आकलन कर उसके अनुसार कौशल विकास के कार्यक्रम डिजाइन करे। स्थानीय उद्योगों की मांग के अनुरूप स्थानीय विद्यार्थियों का कौशल विकास करें, जिससे उन्हें अपने क्षेत्र में ही रोज़गार प्राप्त हो सकें।

राज्यपाल श्री पटेल कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में सेंटर फॉर रिसर्च एण्ड इंडस्ट्रियल स्टॉफ़ परफॉर्मेंस (क्रिस्प) के 29वें स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने क्रिस्प के 29 वें स्थापना दिवस के अवसर पर उपस्थितजनों को बधाई दी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का क्रिस्प स्थापना दिवस बधाई वीडियो संदेश प्रदर्शित किया गया। उच्च शिक्षा, आयुष और तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कार्यक्रम में सक्षम योजना के तहत महिला प्रशिक्षार्थियों और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षणार्थियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों द्वारा तैयार की गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर सराहना भी की। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि संस्थान ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत कौशल विकास के कार्यक्रमों से युवाओं को आत्मनिर्भरता की नई राह दिखाई है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण के संकल्प की दिशा में सराहनीय प्रयास है।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश, कौशल भारत और कुशल भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। उनकी विजनरी लीडरशिप में भारत आर्थिक महाशक्ति बन रहा है। भारत अब विश्व का तीसरा बड़ा स्टार्ट-अप ईको सिस्टम वाला देश है। प्रदेश सरकार भी युवाओं के कौशल विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार के कार्यक्रमों ने विशेष कर बेटियों को भी आगे बढ़ने के अवसर दिए हैं। इसी का सुखद परिणाम है कि अब आई.आई.टी., एन.आई.टी., ट्रिपल आई.टी. जैसे संस्थानों के दाखिलों में बेटियों की भागीदारी बढ़ने लगी है।

रोज़गार अवसरों की वृद्धि में 'फ़ोरलेन मॉडल' कारगर उपाय- राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि भारत में रोज़गार अवसरों को बढ़ाने के लिए 'फोरलेन मॉडल' कारगर भूमिका निभा सकता है।

सुप्रभात

बूढ़ी हुई बुआ पर हर
सावन में मैके आ जाती हैं!

बापू के संग विदा हो गए
सब अधिकार दुआरे के
आँगन, चौखट और कोठरी
चली गई अम्मा ले के

सूखे हुए ताल से जाकर
जाने क्या-क्या बतियाती हैं!
बूढ़ी हुई बुआ पर हर
सावन में मैके आ जाती हैं!

आँखों में मोतियाबिंद है
जाने कैसा धुआँ मचा
बचपन में जो नीम खड़ा था
अब बस केवल ठूँठ बचा

उसी ठूँठ के नीचे रुककर
कुछ भूला बिसरा गाती हैं!
बूढ़ी हुई बुआ पर हर
सावन में मैके आ जाती हैं!

हर पीपल, बरगद, गलियारे
से बचपन का नाता है
खुद ही चलकर आ जाती हैं
कोई नहीं बुलाता है

जाते समय ज़रा-से चावल
हर घर में बिखरा आती हैं
बूढ़ी हुई बुआ पर हर
सावन में मैके आ जाती हैं!

– ज्ञानप्रकाश आकुल

सजा पूरी कर चुके कैदी तुरंत किए जाएं रिहा

सुप्रीम कोर्ट बोला- उन्हें जेल में रखना गलत

कटारा के दोषी की रिहाई का दिया आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चिंता जताई कि कई कैदी अपनी सजा पूरी करने के बाद भी जेल में बंद हैं। कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि ऐसे सभी कैदियों को तुरंत रिहा किया जाए, जो अपनी सजा पूरी कर चुके हैं और किसी अन्य मामले में दोषी नहीं हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने 2002 के नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी सुखदेव यादव उर्फ पहलवान की रिहाई का

आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि यादव ने मार्च 2024 में 20 साल की सजा पूरी कर ली थी, इसलिए उन्हें उसी समय रिहा कर देना चाहिए था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस आदेश की कॉपी सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के गृह सचिवों को भेजी जाए, ताकि पता लगाया जा सके कि कहीं कोई कैदी अपनी सजा की अवधि से ज्यादा समय से जेल में तो नहीं है।

14 से 18 अगस्त तक प्रदेश में 'श्रीकृष्ण पर्व' मनेगा

3000 मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठान, 1000 कलाकार देंगे सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

भोपाल (नप्र)। बलराम जयंती (14 अगस्त) और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (16 अगस्त) के पावन अवसर पर मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग पूरे प्रदेश में भव्य 'श्रीकृष्ण पर्व हलधर महोत्सव एवं लीलाधारी का प्रकटोत्सव' आयोजित करेगा। 14 से 18 अगस्त तक होने वाले इस महोत्सव में 3000 से अधिक मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठान, श्रृंगार प्रतियोगिताएं, मटकी-फोड़, रासलीला और भजन संध्या जैसे कार्यक्रम होंगे। वहीं 100 से अधिक प्रमुख स्थलों पर 155 से ज्यादा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में 1000 से अधिक कलाकार भजन, कीर्तन, नृत्य और नाटिकाएं प्रस्तुत करेंगे।

बलरामजी को 'हलधर' के रूप में कृषि संस्कृति का जनक माना जाता है: नामदेव

मंगलवार को भोपाल स्थित मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में हुई प्रेस वार्ता में संचालक, संस्कृति एन.पी. नामदेव और मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी ने कार्यक्रमों की रूपरेखा बताई। नामदेव ने कहा कि बलराम जी को 'हलधर' के रूप में कृषि संस्कृति का जनक माना जाता है, जबकि श्रीकृष्ण ने गोपाल की भूमिका में पशुधन के संरक्षण और रोगों से मुक्ति का संदेश दिया। इसी पृष्ठभूमि में यह आयोजन कृषि और गौ-संरक्षण की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करेगा।

मुख्यमंत्री निवास पर 1000 बाल गोपाल शामिल होंगे

मुख्य कार्यक्रम मुख्यमंत्री निवास पर 16 अगस्त को दोपहर 2 बजे से होगा, जिसमें 1000 से अधिक बाल गोपाल श्रीकृष्ण की वेशभूषा में शामिल होंगे। इस्कॉन मंदिर के माध्यम से गोपाल कृष्ण का अभिषेक होगा और मुख्यमंत्री बाल गोपालों को माखन-मिश्री, लड्डू गोपाल का विग्रह, 'हर घर गोकुल' के प्लेकार्ड और मोरपंख भेंट करेंगे।

यह पर्व भक्ति और आध्यात्मिकता के साथ समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को भी उजागर करेगा: तिवारी

तिवारी ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में यह पर्व भक्ति और आध्यात्मिकता के साथ-साथ प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को भी उजागर करेगा। मंदिरों के अनुपम श्रृंगार के लिए 1.50 लाख रुपए के तीन, 1 लाख रुपए के पांच और 51 हजार रुपए के सात पुरस्कार दिए जाएंगे। खास पहल के रूप में प्रदेश के सभी होटलों में भी जन्माष्टमी मनाई जाएगी और गीता भवनों की स्थापना के लिए भूमिपूजन होंगे।

उज्जैन, अमझेरा, जानापाव से पन्ना तक गूंजेगी श्रीकृष्ण भक्ति

- सांदीपनि आश्रम, उज्जैन में 16 से 18 अगस्त तक तीन दिवसीय कार्यक्रम होंगे, जिसमें श्रीकृष्ण लीला, बांसुरी वादन, भक्ति गायन और लोकनृत्य होंगे।
- नारायणा धाम (उज्जैन) में 14 से 18 अगस्त तक नृत्य-नाटिका, गणगौर लोकनृत्य, मटकी नृत्य और रासलीला सहित कई भक्ति प्रस्तुतियां होंगी।
- जानापाव में 16 अगस्त को भक्ति गायन, वहीं अमझेरा (धार) में 16-17 अगस्त को बधाई नृत्य और नृत्य-नाटिका की प्रस्तुतियां होंगी।
- पन्ना के बलदेवजी और जुगल किशोर मंदिर में 14 और 16 अगस्त को भक्ति गायन, बरेदी और बधाई नृत्य होंगे।
- दमोह, खातेगांव और रीवा में भी एक दिवसीय श्रीकृष्ण पर्व आयोजित होगा।
- मंडला, उमरिया और शहडोल में भी होगी विशेष छटा
- मंडला में 14 अगस्त को हलधर लीला, बरेदी लोकनृत्य और भक्ति गायन, जबकि 16 अगस्त को महिष्मति घाट पर नृत्य-नाटिका और भजन संध्या होगी।
- उमरिया के पाली में 14-16 अगस्त को भक्ति गायन, ओडिशा के कलाकारों का नृत्य और श्रीकृष्ण नृत्य-नाटिका होगी।
- शहडोल में 14-16 अगस्त तक तीन अलग-अलग स्थानों पर रासलीला, भक्ति गायन और नृत्य-नाटिका की प्रस्तुतियां होंगी।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 35 °c

न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 13 अगस्त 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

शक्ति और भक्ति की भूमि पर आना मेरा सौभाग्य

● भागवत बोले-भगवान से प्रार्थना है मेरा दिमाग ठीक रहे ● कहा-बहुत सारे संत ऐसे हैं जो संघ के कार्यक्रमों में नहीं आए

सीकर (एजेंसी)। सीकर के रैवासा धाम में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने संत राघवाचार्य की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने 9 दिवसीय सियपिय मिलन समारोह का शुभारंभ करते हुए राघवाचार्य को भी याद किया। संघ प्रमुख ने कहा कि शक्ति और भक्ति की भूमि पर आज मेरा आना हुआ है। भागवत ने कहा कि...यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। यहां मेरा जिस स्नेह से आपने स्वागत किया है, जो सद्भावना अच्छे शब्दों में प्रकट की है, यह सब देखकर मुझे एक बार फिर मुझे राघवाचार्य महाराज का स्मरण हुआ। भगवान से प्रार्थना है कि मेरा दिमाग ठीक रहे। संघ प्रमुख ने कहा कि मेरा तो सरसंघ चालक बनने के बाद उनसे संबंध हुआ था। उनसे पहली भेंट में मेरे ध्यान में दो बात आई थी- उनके मन में सबके लिए स्नेह था और सबको आत्मीय भाव से देखते थे। संघ प्रमुख ने कहा बहुत से संत ऐसे हैं संघ कार्यक्रमों में नहीं आए, लेकिन वो स्वयंसेवक हैं। महंत राघवाचार्य का करीब 11 महीने पहले हार्ट अटैक से निधन हो गया था। उन्होंने राजस्थान में वेदाश्रमों की भी स्थापना की। रैवासा वेद विद्यालय में वेदों की शिक्षा लेने वाले स्टूडेंट इंडियन आर्मी से लेकर कई बड़े संस्थानों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। रैवासा धाम का धार्मिक महत्व भी है। यहीं पर तुलसीदास जी ने काव्य पद जानकीनाथ सहाय की रचना की थी।

हरियाणा से कश्मीर के लाल चौक जाएगी तिरंगा यात्रा

● सीएम सैनी ने दिखाई हरी झंडी,बोले-बेटियां यहां भी अव्वल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित संत कबीर कुटीर से तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह यात्रा पंजाब से होते हुए कश्मीर के ऐतिहासिक लाल चौक पहुंचेगी। मीडिया स्टूडेंट एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस यात्रा का उद्देश्य एकता को बढ़ावा देना, राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान को बढ़ावा देना और देश भर में भाईचारे के बंधन को मजबूत करना है। यात्रा का समापन 18 अगस्त को होगा। मुख्यमंत्री ने भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि भी अर्पित की।

बाढ़-बारिश का तांडव, बिहार के हाल बेहाल

● 17 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित, पानी-पानी हुए कई शहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के 12 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 17 लाख से ज्यादा की आबादी इससे प्रभावित है। सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में भागलपुर है, यहां की 75 पंचायतों के 4.16 लाख से ज्यादा लोग पीड़ित हैं। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बारिश जारी है। लखनऊ में भी तेज बारिश हुई।

विधानसभा परिसर में पानी भर गया। सीएम आवास के पास सड़क पर 2 फीट तक पानी भर गया। उत्तराखंड के देहरादून में तेज बारिश हुई। यहां का एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें तेज बहाव में कई गाय बहती नजर आ रही हैं। आज जिले में कक्षा 1 से 12वीं तक के स्कूल बंद हैं। वहीं, मालदेवता क्षेत्र में नदी ने आसपास मौजूद मकानों को नुकसान भी पहुंचा। राज्य में 12-14 अगस्त तक भारी बारिश का अलर्ट है। इसी वजह से श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए केदारनाथ धाम यात्रा 3 दिन के लिए रोक दी गई है।

उत्तराखंड त्रासदी

तबाह धराली फिर से नहीं बसेगा, पूरा गांव शिफ्ट होगा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तरकाशी में बादल फटने के बाद आई आपदा में तबाह हुआ धराली गांव अब दोबारा उस जगह नहीं बसेगा। सोमवार को सीएम हाउस में हुई बैठक में यह फैसला हुआ है। तय हुआ कि धराली गांव सुरक्षित जगह शिफ्ट होगा। नदियों

के किनारे और लैंडस्लाइड वाले संवेदनशील क्षेत्रों में कोई भी नया निर्माण नहीं होगा। इस तरह की संवेदनशील जगहों वाले अन्य गांव भी शिफ्ट किए जा सकते हैं। बीते 10 साल में धराली इलाके में तीन आपदाएं आई। तीन बार गांव तबाह हुआ, लेकिन हर बार स्थानीय लोगों ने वहां नई इमारतें खड़ी कर लीं। फिलहाल आपदा के 7 दिन बाद भी धराली गांव लाखों टन मलबे में दबा है। उत्तरकाशी के धराली में 5 अगस्त को दोपहर 1.45 बजे बादल फट गया था। खीर गंगा नदी में बाढ़ आने से 34 सेकेंड में धराली गांव जमींदोज हो गया था।

कैबिनेट मीटिंग में 4 नए सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

सरकार 4,594 करोड़ रुपए का निवेश करेगी

● लखनऊ में मेट्रो के अगले फेज को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें कुल 18,541 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि बैठक में 4 नए सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि 6 प्रोजेक्ट्स पहले से ही स्वीकृत हैं और आज 4 नए प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिली है। इसके तहत ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पंजाब में प्लांट्स लगाए जाएंगे, जिसके लिए 4,594 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। इससे घरेलू चिप उत्पादन, पैकेजिंग और एडवांस्ड मटेरियल को बढ़ावा मिलेगा, जिससे दो हजार लोगों को नौकरी मिलेगी। वैष्णव ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 11.165 किलोमीटर लंबाई वाली लखनऊ मेट्रो रेल परियोजना के फेज-1बी को मंजूरी दी है। इसके तहत 12 मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे और जिसके लिए 5,801 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। लखनऊ में मेट्रो की बहुत जरूरत है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत स्वच्छ विकास और स्वच्छ ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्ध है। इसलिए अरुणाचल प्रदेश के शि योमी जिले में 8,146 करोड़ रुपए के निवेश के साथ 700 मेगावाट की टाटो हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है।

पीएमश्री के छात्रों ने क्लास की एलईडी पर देखी पोर्न

राजगढ़ में 13 बच्चे बैठे थे, वीडियो भी बनाया ; परिजन बोले- प्रबंधन पर कार्रवाई हो

राजगढ़ (भोपाल) (नप्र)। राजगढ़ जिले के सुठालिया में पीएम श्री स्कूल में कुछ छात्रों ने क्लास के दौरान एलईडी स्क्रीन पर पोर्न फिल्म चला दी। इस दौरान अन्य अन्य छात्र कुर्सियों पर बैठकर फिल्म देख रहे थे। इनमें से से एक छात्र ने इसका वीडियो बना लिया।

सोशल मीडिया पर ये वीडियो वायरल होने के लोगों ने इस पर विरोध जताया। मामला पुलिस और प्रशासन तक भी पहुंचा। जिला शिक्षा अधिकारी करण सिंह भिलाला ने ब्यावरा विकासखंड अधिकारी दिलीप शर्मा को मामले की जांच के आदेश दिए हैं। वीडियो कब का है, यह पता नहीं चल सका है।

एक छात्र ने बनाया इसका वीडियो- स्कूल के क्लासरूम में बनाए गए एक वीडियो में छात्रों की पढ़ाई के लिए लगी एलईडी टीवी स्क्रीन पर अश्लील फिल्म चल रही है। स्क्रीन के पास एक छात्र खड़ा है। 13 छात्र कुर्सियों पर बैठे हैं। टेबल के पास बैठे कुछ छात्र अपने मोबाइल से स्क्रीन पर चल रही फिल्म का वीडियो रिकॉर्ड कर रहे हैं। इसी दौरान, जब एक अन्य छात्र इनकी इस हरकत का वीडियो बनाता है, तो कुछ छात्र हंसते हुए अपना चेहरा छिपाते नजर आ रहे हैं। क्लासरूम में लगी एलईडी स्क्रीन पर छात्रों ने पोर्न फिल्म देखी। उस समय टीचर मौजूद नहीं थे।

लोग बोले-स्कूल प्रबंधन की लापरवाही- स्थानीय लोगों और पेरेंट्स ने इस मामले में कहा कि इस तरह की हरकत स्कूल के माहौल को न सिर्फ खराब करती है, बल्कि यह विद्यार्थियों के भविष्य पर भी गलत असर डाल सकती है। घटना के समय स्कूल स्टाफ कहां था? एलईडी स्क्रीन जैसी सुविधाएं पढ़ाई के लिए दी जाती हैं, लेकिन उन पर नियंत्रण न होना प्रबंधन की लापरवाही है। अभिभावकों और सामाजिक संगठनों ने भी घटना को गंभीरता से लेते हुए स्कूल में अनुशासन बहाल करने की मांग की है।

बाल कल्याण समिति ने कहा-दुर्भाग्यपूर्ण- बाल कल्याण समिति अध्यक्ष साकेत शर्मा ने कहा कि राजगढ़ के एक स्कूल में क्लासरूम में छात्रों द्वारा पोर्न वीडियो देखा जा रहा था। यदि स्कूल में इस प्रकार के वीडियो बच्चे देख रहे हैं तो यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रबंधन को इस ओर ध्यान देना चाहिए था। इसकी जांच उच्च स्तरीय होनी चाहिए। दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। बाल कल्याण समिति राजगढ़ ने भी इसे संज्ञान में लिया है। स्कूल प्राचार्य और जिला शिक्षा अधिकारी को नोटिस जारी कर रहे हैं। जवाब आने के बाद आगे की कार्रवाई करेंगे।

बेजुबान पशु कोई समस्या नहीं, उन्हें हटाना क्रूरता

● एससी के आवारा कुत्तों को हटाने के फैसले पर बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दिल्ली-एनसीआर से सभी आवारा कुत्तों को हटाने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर मंगलवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ये दशकों से चली आ रही मानवीय और साइंटिफिक पॉलिसी से पीछे ले जाने वाला कदम है। ये

बेजुबान पशु कोई 'समस्या' नहीं हैं, जिन्हें हटाया जाए। राहुल ने एक्स पर लिखा, शेल्टर्स, नसबंदी, टीकाकरण और सामुदायिक देखभाल अपनाया जाना चाहिए। इससे बिना क्रूरता के भी डॉग्स को सुरक्षित रखा जा सकता है। पूरी तरह पाबंदी क्रूर-अदूरदर्शी है और हमारी दया-भावना को खत्म करता है। हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जन सुरक्षा और पशु कल्याण दोनों कैसे साथ-साथ चलें। दरअसल, 11 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर के नगर निकायों को निर्देश दिया है कि आवारा कृत्तों को तुरंत पकड़कर नसबंदी करें और उन्हें स्थायी रूप से शेल्टर होम में रखें। इसके लिए 8 हफ्ते का समय दिया।

वोटर वेरिफिकेशन पर लगातार दूसरे दिन हंगामा

● विपक्षी सांसद 'मिंता देवी' की तस्वीर वाली टीशर्ट पहनकर पहुंचे

दावा- यह 124 साल की फर्स्ट टाइम वोटर,दोनों सदन में कोहराम

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के दोनों सदनों में बिहार एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर मंगलवार को भी विपक्ष ने हंगामा किया। इसके चलते लोकसभा दोपहर 3 बजे तक और राज्यसभा दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। इससे पहले प्रियंका गांधी समेत इंडिया ब्लॉक के सांसद मकर द्वार पर मिंता देवी के नाम और तस्वीर वाली टीशर्ट पहनकर पहुंचे। विपक्ष का दावा है कि मिंता देवी बिहार चुनाव आयोग की वोटर लिस्ट में 124 साल की फर्स्ट टाइम वोटर हैं। विपक्ष के हंगामे के कारण विधेयकों पर चर्चा नहीं हो पा रही है। सोमवार को भी बिना चर्चा के 8 विधेयक बिना बहस के ही पास हो गए। लोकसभा में नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल, नेशनल एंटी-डोपिंग (संशोधन) बिल,

इनकम टैक्स (नंबर 2) बिल और टैक्सेशन लॉ (संशोधन) बिल पास हुआ। राज्यसभा में गोवा में अनुसूचित जनजातियों के विधानसभा क्षेत्रों के पुनर्संयोजन से जुड़ा बिल, मर्चेंट शिपिंग बिल, मणिपुर विनियोग बिल और मणिपुर जीएसटी (संशोधन) बिल पास किए गए। सोमवार को भी विपक्ष के 300 सांसदों ने वोटर वेरिफिकेशन के खिलाफ संसद से चुनाव आयोग के दफ्तर तक मार्च निकाला था। इस दौरान राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी सांसदों को हिरासत में लिया गया। हालांकि 2 घंटे बाद इन्हें छोड़ दिया गया था।

ऑन-स्क्रीन आंसर कॉपी चेक करने की है तैयारी !

● सीबीएसई का कमाल, बनाने वाला है एआई सेंटर ● 10वीं और 12वीं बोर्ड की आंसर कॉपी होगी चेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी स्कूल (सीबीएसई) अपने स्टूडेंट्स के लिए एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) आधारित डिजिटल एक्सपीरियंस सेंटर बनाएगा। इसे बनाने की मंजूरी बोर्ड की गवर्निंग बॉडी ने दे दी है। यह सेंटर स्टूडेंट्स को एक आधुनिक और तकनीक पर आधारित माहौल में पढ़ाई से जुड़ने का मौका देगा। प्रस्ताव में कहा गया है कि इसका मकसद है जिज्ञासा, नवाचार या इनोवेशन और सीखने की प्रक्रिया की गहरी समझ को बढ़ावा देना है। द्वारका में यह सेंटर बनाया जाएगा। प्रस्ताव के तहत सबसे पहले ईओआई (एक्सप्रेशन ऑफ इंट्रेस्ट) आमंत्रित किए जाएंगे। जो एजेंसियां इसमें रुचि दिखाएंगी, वे अपनी शुरुआती लागत और योजना के अनुमान देंगी। इन्हीं अनुमानों से यह तय होगा कि खर्च कितना होगा, परियोजना कितनी संभव है और इसके लिए बजट कितना चाहिए। इसके बाद ही औपचारिक टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी। सीबीएसई की वित्त समिति ने विचार-विमर्श के बाद इस प्रस्ताव को मंजूरी दी और फिर गवर्निंग बॉडी ने इसे स्वीकृत किया।

पाकिस्तान ने भारतीय डिप्लोमैट्स के घरों की गैस की सप्लाई रोकी

लोकल वेंडर्स को गैस सिलेंडर न देने के निर्देश, मिनरल वाटर और न्यूज पेपर भी बंद किए

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में भारतीय डिप्लोमैट्स के घरों में गैस सप्लाई बंद कर दी है। इसके अलावा स्थानीय गैस सिलेंडर सप्लायर्स को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे भारतीय राजनयिकों को सिलेंडर न बेचें। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामाबाद ने मिनरल वाटर और न्यूजपेपर की सप्लाई भी रोक दी है। पाकिस्तान ने यह फैसला भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदले की कार्रवाई के तौर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह कदम पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की योजना का हिस्सा है। इसके तहत पाकिस्तान

बदले की छोटी-छोटी कार्रवाइयां कर रहा है। जवाबी कदम के तौर पर भारत ने भी दिल्ली में तैनात पाकिस्तानी राजनयिकों को अखबार पहुंचाना बंद कर दिया है।

2019 में पुलवामा हमले के जवाब में भारत की एयर स्ट्राइक के बाद भी पाकिस्तानी अधिकारियों ने भारतीय डिप्लोमैट्स को इसी तरह परेशान किया था। उस समय, भारतीय उच्चायुक्त अजय बिसारिया, उप उच्चायुक्त जेपी सिंह, और नौसेना सलाहकार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को इस तरह के व्यवहार का सामना करना पड़ा था।

अब बिहार में डिजिटल शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार बच्चों को डिजिटल तरीके से शिक्षा देने पर अब खासतौर से फोकस करने पर जोर दे रही है। इसके लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक-एक डिजिटल लाइब्रेरी केंद्र स्थापित किया जाएगा। इसके जरिए छात्रों को डिजिटल माध्यम से अध्ययन की सुविधा प्रदान कराई जाएगी। इसके लिए मुख्यमंत्री डिजिटल लाइब्रेरी योजना (एमएमडीएलवाई) का क्रियान्वयन किया जाना है। कैबिनेट से इसके प्रस्ताव पर मंजूरी देते हुए 94 करोड़ 50 लाख 47 हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसके संचालन के लिए सुपरवाइजर और तकनीकी इंचार्ज की व्यवस्था की जाएगी। प्रत्येक डिजिटल लाइब्रेरी केंद्र में 10 कंप्यूटर टर्मिनल लगाए जाएंगे। इसके अलावा विद्युत और हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी लगाई जाएगी। 10 कंप्यूटर को लगाने के लिए कम से कम 300 वर्ग फुट का क्षेत्र की आवश्यकता पड़ेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-

एमपी सरकार सो रही है क्या

ओबीसी के 13 प्रतिशत होल्ड पदों पर 6 साल में क्या किया, अंतिम सुनवाई 23 सितंबर को

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में सरकारी भर्तियों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के 13 प्रतिशत पद होल्ड होने के मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने एमपी सरकार को फटकार लगाई है। ओबीसी महासभा के वकील वरुण ठाकुर ने बताया- कोर्ट ने कहा है कि एमपी सरकार सो रही है क्या? ओबीसी के 13 प्रतिशत होल्ड पदों पर 6 साल में क्या किया? एडवोकेट ठाकुर ने बताया- याचिका एमपीपीएससी के चयनित अभ्यर्थियों ने लगाई है, जिनको नियुक्ति नहीं दी जा रही है। मामले में मध्यप्रदेश सरकार ने 29 सितंबर 2022 को एक नोटिफिकेशन जारी किया था, इसे कोर्ट में चैलेंज किया गया है। सरकार ने कोर्ट में कहा था कि हम भी रिजर्वेशन देना चाहते हैं। ऐसे में ऑर्डनेंस पर जो स्टे है, उसे वेकेंट किया जाए।

इस पर कोर्ट ने कहा- सबसे बड़ी बात ये है कि मप्र सरकार के जो जनप्रतिनिधि कहते हैं कि हम ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, उनके वकील सुनवाई में तब पहुंचते हैं, जब ऑर्डर डिक्टेट हो जाता है। फिर ये नेता कहते हैं कि ऑर्डिनेंस पर स्टे वेकेंट नहीं होने से प्रशासनिक परेशानियां आ रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सीनियर वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के चयनित अभ्यर्थियों की तरफ से कोर्ट के सामने पक्ष रखा। कोर्ट ने इस मामले को अति महत्वपूर्ण मानते हुए टॉप ऑफ द बोर्ड में लिस्टेड किया है। 23 सितंबर को इसे पहले नंबर पर सुनवाई के लिए रखा है। ये 13 प्रतिशत होल्ड वाले मामले में सभी याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई होगी।

हाईकोर्ट ने आरक्षण सीमा 14 प्रतिशत तक सीमित की थी- मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने 4 मई 2022 के अंतरिम आदेश में ओबीसी आरक्षण की सीमा 14 प्रतिशत तक सीमित कर दी थी। इसके बाद से यह मामला सुप्रीम कोर्ट में है।

5 अगस्त को हुई सुनवाई में ओबीसी महासभा की ओर से कहा गया था कि परीक्षा के बाद भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, लेकिन नियुक्ति नहीं दी जा रही है। छत्तीसगढ़ जैसी राहत एमपी में दी जाए।

दूसरी तरफ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चांडुरकर की खंडपीठ के सामने अनारक्षित वर्ग द्वारा 50

प्रतिशत से अधिक आरक्षण नहीं दिए जाने पर बात रखी गई थी।

22 जुलाई को सरकार ने मांगी थी राहत- इस मामले में 22 जुलाई को हुई सुनवाई में मध्यप्रदेश सरकार ने राहत की मांग की थी। सरकार की ओर से कहा गया था कि जैसे छत्तीसगढ़ में 58 प्रतिशत आरक्षण को सुप्रीम कोर्ट ने मान्यता दी है, वैसे ही एमपी को भी राहत दी जाए, ताकि भर्ती प्रक्रिया पूरी हो सके।

ओबीसी पक्षकार ने भी एक्ट को लागू करने की मांग की थी जबकि अनारक्षित पक्ष ने आपत्ति जताते हुए कहा था कि एमपी और छत्तीसगढ़ के मामलों में अंतर है। क्योंकि मप्र में ओबीसी आरक्षण 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किया गया जबकि छत्तीसगढ़ में एसटी आबादी अधिक होने के कारण वहां का आरक्षण पहले जैसा है।

जुलाई में ही यह मामला भी आया- इसके पहले जुलाई में हुई एक अन्य सुनवाई के दौरान मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के चयनित अभ्यर्थियों की ओर से मांग की गई थी कि राज्य में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का कानून होने के बावजूद 13 प्रतिशत पदों को होल्ड पर रखा गया है। इसे हटाया जाए।

इस पर सरकार के वकीलों ने बताया था कि मध्यप्रदेश सरकार भी चाहती है कि ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण मिले। हम इसको अनहोल्ड करने के समर्थन में हैं। इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमने आपको रोका कब है?

राज्य सरकार के 22 सितंबर 2022 को जारी नोटिफिकेशन पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा- ये नोटिफिकेशन कानून के खिलाफ क्यों जारी किया गया था?

इस सुनवाई को लेकर एड. वरुण ठाकुर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने माना कि ये नोटिफिकेशन गलत तरीके से जारी हुआ है। हम इसको अनहोल्ड करने के समर्थन में हैं।

सरकार के आदेश पर स्टे हटाने की मांग- मध्यप्रदेश सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दी गई जानकारी के मुताबिक, प्रदेश में 2019 में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का बिल पारित हुआ था। उसके बाद जब 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के क्रियान्वयन आदेश जारी हुए तो 4 मई 2022 में अभ्यर्थी शिवम गौतम ने मप्र हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी।

हाईकोर्ट ने ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण के क्रियान्वयन आदेश पर स्टे दे दिया। इसके साथ ही राज्य सरकार के संशोधित कानून और नियम पर रोक लगा दी गई थी। इन संशोधनों से आरक्षण की कुल सीमा 73 प्रतिशत तक पहुंच रही थी। एसटी को 20 प्रतिशत, एससी को 16 प्रतिशत, ओबीसी को 27 प्रतिशत और आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य (ईडब्ल्यूएस) को 10 प्रतिशत आरक्षण शामिल था।

बाद में यह मामला सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर हो गया। सरकार ने इसी आदेश को चुनौती देते हुए ट्रांसफर केस 7/2025 के तहत स्टे वैकेंट की सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दी है। अब अगर सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाता है तो मध्यप्रदेश में ओबीसी आरक्षण 27 प्रतिशत हो सकता है। अभी तक 70 से ज्यादा याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर हो चुकी हैं।

30 सितंबर तक हर व्यक्ति को बैंक से जोड़ने अभियान

दस साल पुराने बचत और पीएम जनधन खातों की कराई जा रही केवाईसी

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के बैंकर्स पिछड़े और कम आय वाले प्रत्येक व्यक्ति की तलाश करेंगे और उन्हें 30 सितंबर से पहले बैंकों से जोड़ेंगे। इसके लिए ग्राम पंचायत स्तर पर वित्तीय समावेशन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान की शुरूआत एक जुलाई से हुई है और अब तक 12000 पंचायतों में शिविर लगाए जा चुके हैं।

इस दौरान 2014 के बाद खोले गए बचत और प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) और इनएक्टिव खातों को एक्टिव करने के लिए दोबारा केवाईसी कराई जाएगी। स्टेट लेवल बैंकर्स कमेटी के निर्णय के बाद ऐसे खातों में केवाईसी कराने के निर्देश जारी किए गए हैं। बैंकर्स से कहा गया है कि जीरो बैलेंस के साथ पीएमजेडीवाई खाते खोले जाएं और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत बीमा किया जाए।

पंचायत स्तर पर तीन माह के लिए अभियान

स्टेट लेवल बैंकर्स कमेटी (एसएलबीसी) के संयोजक धीरज गोयल, मुख्य महाप्रबंधक (एसबीआई) चंद्रशेखर शर्मा, उप महाप्रबंधक (एसएलबीसी) प्रमोद मिश्रा और अन्य बैंकों के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। इसमें बताया कि 3 माह (एक जुलाई से 30 सितंबर) के लिए वित्तीय समावेशन (फाइनेंसियल इन्क्लूजिन) अभियान पंचायत स्तर पर चलाया जा रहा है।

वित्तीय समावेशन का मतलब समाज के पिछड़े एवं कम आय वाले लोगों को वित्तीय सेवाएं देना है। इसके जरिये हर व्यक्ति को बैंक से जोड़ने का काम किया जाना है। अभी तक प्रदेश के लगभग 12000 पंचायतों में शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिसमें पीएमजेडीवाई, पीएमएसबीवाई, पीएमजेजेबीवाई, एपीवाई एवं रि-केवाईसी में कार्यवाही की गई है।

अभियान के दौरान होंगे ये कार्यक्रम

- जीरो बैलेंस के साथ पीएमजेडीवाई खाता खोलना।
- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में बीमा किया जाना।
- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत बीमा किया जाना।
- अटल पेंशन योजना में नामांकन।
- 10 साल या उससे पहले खोले गए बचत खातों और पीएमजेडीवाई खातों एवं निष्क्रिय खातों के लिए दोबारा केवाईसी किया जाना।
- डिजिटल धोखाधड़ी से स्वयं को कैसे बचाएं और आरबीआई के जमा खातों में ट्रांसफर हुए पैसे का दावा कैसे किया जाए, इसकी जानकारी दिया जाना।

सो रही मां और दो बेटों को सांप ने डसा, तीनों की मौत

शिवपुरी (नप्र)। घर में सो रही महिला और उसके दो बेटों को सांप ने डस लिया। जिससे तीनों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सांप काटने के बाद परिजन ने झाड़-फूंक कराया। जिसके चलते इलाज में देरी होने से उनकी जान नहीं बच सकी। महिला पिंकी (उम्र 30 साल) पति ब्रजेश शिवपुरी जिले की रहने वाली थी। सोमवार को वह अपने बेटे प्रिंस (7) और बेटी नेहा (5) के साथ राजस्थान के बारां जिले में अपने मायके रक्षाबंधन पर्व मनाने के लिए पहुंची थी। जहां मंगलवार सुबह करीब 5 बजे तीनों को सोते समय कॉमन करैत सांप ने डस लिया। परिजन ने उनके मुंह से झाग निकलते देखा। तीनों को सांस लेने में भी दिक्कत हो रही थी। इधर, सांप कमरे में ही था, जिसे परिजन ने लाठी से हमला कर मार दिया।

इलाज में देरी बनी मौत की वजह- ग्रामीणों के मुताबिक, सांप के डसने के बाद परिजन तीनों को अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक कराने सिरसौद गांव में स्थित एक स्थान पर ले गए। करीब पांच घंटे बाद जब तबीयत और बिगड़ गई, तब केलवाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

परिजन तीनों को मृत मानने को तैयार नहीं- महिला शिवपुरी के रन्नौद थाना क्षेत्र के अकोदा गांव के चंदेल परिवार की बहू थी। महिला में मायके वाले उन्हें मृत मानने को तैयार नहीं है। परिजन राजस्थान से शव लेकर मंगलवार दोपहर 12 बजे कोलारस के रिजौदा गांव किसी झाड़फूंक वाले के पहुंचे थे। यहां से वारई गांव पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से हाथियों के संरक्षण का किया आह्वान

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व हाथी दिवस पर प्रदेशवासियों से हाथियों के संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों में सहभागी बनने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाथी वन्य जीवन का अद्वितीय संरक्षक है, जिसका हमारे पारिस्थितिकी तंत्र (इको सिस्टम) में अहम योगदान है। शक्ति और सामर्थ का प्रतीक हाथी, हमारी जैव विविधता को भी मजबूती प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री शाह की भेंट

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को

संसद भवन, नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह से सौजन्य भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री श्री शाह को प्रदेश में सहकारिता के क्षेत्र में नए कानून लागू करने और किए गए नवाचारों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में देश की राजधानी बने। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में देश में प्रदेश की हिस्सेदारी, जो अभी 9 प्रतिशत है, उसको बढ़ाकर 25 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। नए कानून लागू करने में मध्य प्रदेश अग्रणी राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में चल रहे नवाचारों के माध्यम से सुशासन के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री शाह से मिल रहे मार्गदर्शन और सहयोग के लिये आभार माना।

बहनों ने रंगोली बनाकर दिया 'हर घर तिरंगा' अभियान का संदेश

भोपाल(नप्र)। हर घर तिरंगा अभियान में प्रदेश के सभी जिलों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान और समर्पण के लिये जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। बुरहानपुर जिले की शाहपुर नगर परिषद कार्यालय के प्रांगण में महिला बाल विकास विभाग की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा आकर्षक रंगोली बनाकर राष्ट्रध्वज के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

प्रदेश के सभी जिलों में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता

स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान को पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। यह अभियान न केवल राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा दे रहा है। साथ ही स्वच्छता और जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक विषयों को जोड़ रहा है।

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को अपने घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित करना है। यह अभियान लोगों में देशभक्ति की भावना को जागृत करने के साथ-साथ राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान को बढ़ावा देगा।

नेशनल एकेडमी ऑफ डायरेक्ट टैक्स को आईएसओ अवॉर्ड

पीसीसीआईटी बोलीं- यह सर्टिफिकेशन आगे और अच्छा काम करने के लिए प्रेरित करेगा

भोपाल (नप्र)। आयकर विभाग के नेशनल एकेडमी ऑफ डायरेक्ट टैक्स अकादमी (एनएडीटी) की रीजनल सेंटर भोपाल को आईएसओ सर्टिफिकेट दिया गया है। यह सर्टिफिकेट क्वालिटी ट्रेनिंग और कैपिसिटी बिल्डिंग को लेकर किए गए काम की बदौलत मिला है। प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त (पीसीसीआईटी) अपर्णा करण प्रधान की मौजूदगी में दिए गए सर्टिफिकेट के बाद आने वाले दिनों में कार्यालयीन व्यवस्था और प्रशिक्षण को और सशक्त बनाने पर जोर दिया जाएगा।

आयकर भवन बिट्टन मार्केट भोपाल में राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी क्षेत्रीय परिसर भोपाल को यूनिवर्सल सर्टिफिकेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड भोपाल द्वारा क्वालिटी ट्रेनिंग और कैपिसिटी बिल्डिंग कैटेगरी में आईएसओ 9001:2015 सर्टिफिकेट दिया गया। इस प्रमाण पत्र को हासिल करने वाला यह कार्यालय भारत का आयकर विभाग में प्रशिक्षण प्रदान करने वाला पहला क्षेत्रीय परिसर है।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अपर्णा करण, प्रधान मुख्य आयकर

आयुक्त (मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़) भी उपस्थित रहीं। उन्होंने इसके लिए राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी क्षेत्रीय परिसर, भोपाल को शुभकामनाएं दीं और कहा कि आईएसओ 9001:2015 सर्टिफिकेशन हम सभी को आगे और अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।

इस दौरान सृजनी मोहन्ती प्रधान अपर महानिदेशक (प्रशिक्षण) ने कहा कि कार्यालय में पदस्थ सभी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किए गए कार्यों और उपलब्धियों के आधार पर यह प्रमाण पत्र मिला है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि हमारे प्रशासन एवं राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी क्षेत्रीय परिसर भोपाल के लिए एक मील का पत्थर है। यह सम्मान हमारे संस्थान की गुणवत्ता, उत्कृष्टता और निरंतर सुधार के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ पर पूरे प्रदेश में होंगे भव्य आयोजन

मुख्यमंत्री स्वतंत्रता दिवस पर लाल परेड ग्राउण्ड भोपाल में करेंगे ध्वजारोहण

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ पर राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रम होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राजधानी भोपाल के लाल परेड ग्राउण्ड में होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे और प्रदेश की जनता के नाम संदेश देंगे। मुख्यमंत्री के संदेश का सीधा प्रसारण जिला मुख्यालयों पर आयोजित समारोह में किया जाएगा। मुख्य समारोह के पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा शौर्य स्मारक में शहीदों को श्रद्धांजलि दी जायेगी।

जिला स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन प्रातः 9:00 बजे से किया जाएगा, जिनमें विधानसभा अध्यक्ष/मंत्रीगण एवं कलेक्टर्स द्वारा ध्वजारोहण और राष्ट्रगान होगा एवं परेड की सलामी ली जाएगी। मुख्यमंत्री द्वारा संदेश वाचन प्रातः 9:25 से 9:55 बजे तक किया जाएगा, जिसका सीधा प्रसारण राज्यस्तरीय मुख्य समारोह, भोपाल से किया जाएगा। तत्पश्चात विधानसभा अध्यक्ष/मंत्रीगण एवं कलेक्टर्स द्वारा संक्षिप्त बधाई संदेश का वाचन किया जाएगा।

जनपद पंचायत मुख्यालय पर जनपद अध्यक्षों द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा तथा समारोह में सामूहिक राष्ट्र गान गाया जाएगा। ऐसी नगर पालिका/नगर परिषद जिनका मुख्यालय ब्लॉक मुख्यालय पर नहीं है, उनमें नगर पालिका / नगर परिषद अध्यक्ष द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा और राष्ट्र गान गाया जाएगा। पंचायत मुख्यालय पर समारोह में सरपंचों द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा और राष्ट्र गान गाया जाएगा। कार्यक्रमों में सभी संसद सदस्य, विधायक गण, महापौर, पार्षद एवं अन्य गणमान्य नागरिकों को सम्मान पूर्वक आमंत्रित किया जायेगा।

सभी शासकीय कार्यालयों/शिक्षण संस्थाओं में प्रातः 8:00 बजे या उसके पूर्व ध्वजारोहण होगा। तत्पश्चात सांस्कृतिक / साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। सभी शिक्षण संस्थाओं में मौसम का ध्यान रखते हुए प्रातः काल प्रभातफेरी का आयोजन किया जायेगा। कॉलेज/स्कूलों में खेल-कूद, अन्य प्रकार के कौशलों का प्रदर्शन अन्तर्विद्यालय, अन्तर महाविद्यालय स्तर पर वाद विवाद प्रतियोगिताएं, 15 अगस्त के महत्व पर छात्र-छात्राओं द्वारा वार्ता, राष्ट्रीय एकता, लघु बचत, जनसंख्या स्थिरीकरण, स्वच्छता अभियान एवं पुरस्कारों / प्रमाण पत्रों / मैडल आदि का वितरण इत्यादि कार्यक्रम में सम्मिलित किए जायेंगे। वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम को प्रभावी रूप से सम्पन्न कराने में वन विभाग का आवश्यक सहयोग प्राप्त किया जायेगा। स्कूल/कॉलेजों में जिला/संभाग एवं राज्य स्तर पर राष्ट्रीय एकता के समूह गान आयोजित किये जायेंगे। जिला मुख्यालयों पर स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम स्थलों पर प्राथमिक चिकित्सा की आवश्यक व्यवस्था की जायेगी। स्वतंत्रता दिवस 2025 के अवसर पर प्रदेश में स्थित मुख्य सार्वजनिक भवनों एवं राष्ट्रीय महत्व की इमारतों पर 14 एवं 15 अगस्त 2025 की रात में प्रकाश की व्यवस्था की जायेगी। कार्यक्रमों में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, कारगिल में शहीद हुए सैनिकों के परिवारों एवं प्रदेश के लोकतंत्र सेनानियों को सम्मान पूर्वक आमंत्रित किया जायेगा। वृद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को कलेक्टर अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि घर जाकर शॉल, श्रीफल से सम्मानित करेंगे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने शासकीय आवास पर फहराया तिरंगा

हर घर तिरंगा अभियान में सहभागिता की अपील

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंगलवार को हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत भोपाल स्थित उनके शासकीय आवास पर तिरंगा फहराया। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे अपने घर, कार्यालय और प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर राष्ट्रप्रेम की भावना को और सशक्त करें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि तिरंगा हमारी एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। यह प्रत्येक नागरिक के हृदय में देशभक्ति का संचार करता है। उन्होंने सभी नागरिकों से हर घर तिरंगा अभियान में सहभागिता की अपील की है।

हज-2026 के लिए 13 अगस्त को होगा डिजिटल कुर्रा

चयनित यात्रियों को 20 अगस्त तक जमा करना होगी यात्रा राशि की पहली किस्त

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश हज कमेटी के अध्यक्ष रफत वारसी ने बताया कि हज-2026 के लिए चयन प्रक्रिया डिजिटल कुर्रा के माध्यम से 13 अगस्त 2025 को सुबह 11:30 बजे आयोजित की जाएगी। यह कार्यक्रम हज कमेटी ऑफ इंडिया मुंबई में होगा और इसका सीधा प्रसारण हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट ttps:// पर किया जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस पर भोपाल में दिखेंगी करोड़ों की सुपरकार्स

वर्ल्ड वार-2 की विलीज-फोर्ड जीपें और दमदार बाइक स्टंट

भोपाल (नप्र)। इस बार भोपाल का स्वतंत्रता दिवस का नजारा कुछ अलग ही होगा। 15 अगस्त को इंडिपेंडेंस इग्निशन 2025 के तहत शहर में एक साथ नजर आएंगी करोड़ों की कीमत वाली सुपरकार्स, वर्ल्ड वार-2 में इस्तेमाल हुई विलीज और फोर्ड जीपें, दमदार सुपरबाइक्स और देश के टॉप स्टंट राइडर्स का लाइव परफॉर्मेंस।

खास बात यह है कि स्टंट केवल बाइक्स से होंगे, जबकि बाकी सभी गाड़ियां शोकेस के लिए होंगी। यह आयोजन भोपाल स्टंट स्कूल, भोपाल जीप ग्रुप और भोपाल सुपर कार्स क्लब। की ओर से किया जा रहा है। जिसमें प्रोफेशनल राइडर्स दिखाएंगे कि स्टंट का मजा सिर्फ नियंत्रित माहौल

और सही सुरक्षा उपकरणों के साथ ही लिया जाना चाहिए।

क्या-क्या देखने को मिलेगा?

विंटेज वाहन- वर्ल्ड वार-2 में इस्तेमाल हुई विलीज और फोर्ड जीप समेत करीब 8 दुर्लभ क्लासिक कारें।

सुपरकार्स- 6 लग्जरी स्पोर्ट्स कारें, जिनमें मर्सिडीज एएमजी , पोर्शे, संभावित रोल्स-रॉयस और अन्य हाई-परफॉर्मेंस मॉडल शामिल होंगे। दो करोड़ की कीमत वाली 'सरप्राइज कार्स' भी पहली बार शहर में दिखेंगी।

सुपरबाइक्स- कावासाकी निंजा जेडएक्स-10आर, सुजुकी हायाबूसा, बीएमडब्ल्यू एस 1000 RR, कावासाकीजेड 900, दो दमदार चॉपर बाइक्स।

स्टंट शो- सिर्फ बाइक्स से हाई-ऑक्टेन स्टंट - प्रोफेशनल स्टंट बाइक्स और केटीएम एमटीबी साइकिल के 6 एथलीट बीएमएक्स - स्टाइल करतब दिखाएंगे।

कार्यक्रम का समय और रूट

सुबह 11 बजेः लिंक रोड 1 से शुरू होगी।

रूटः लिंक रोड- मिनाल शॉपिंग स्ट्रीट-वॉकिंग स्ट्रीट, मिनाल रेसिडेंसी।

दोपहर 12 बजे सेः मिनाल वॉकिंग स्ट्रीट पर बाइकों का लाइव स्टंट शो और गाड़ियों का डिस्प्ले शुरू होगा।

संपादकीय

मुनीर को अमेरिकी शह?

पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने अपने अमेरिका दौरे के दौरान जिस तरह भारत को और परोक्ष रूप से पूरी दुनिया को परमाणु युद्ध की धमकी दी है, उस पर भारत ने उन्हें खासी फटकार लगाई है। लेकिन असली सवाल यह है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना से करारी मात खाने वाली पाक फौज के इस आलातरीन अफसर की ऐसा कहने की हिम्मत कैसे हुई? मुनीर किस की दम पर कूद रहे हैं? संकेत तो यही हैं कि मुनीर की बयानबाजी के पीछे अमेरिका और उसके राष्ट्रपति ट्रंप हैं। क्योंकि वो मुनीर को खाड़ी देशों में अमेरिका का वर्चस्व बनाए रखने तथा भारत को दबाव में लाने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं और मुनीर निजी स्वार्थों की खातिर ऐसा होने दे रहे हैं, जबकि खुद उनके अपने देश पाकिस्तान में इसकी आलोचना हो रही है। मुनीर ने अमेरिका में एक कार्यक्रम में कहा था कि अगर भारत ने सिंधु नदी का पानी रोकने के लिए बांध बनाया तो हमारे पास मिसाइलों की कमी नहीं है। हम 10 मिसाइल मारकर बांध को उड़ा देंगे। सिंधु नदी भारत की सम्पत्ति नहीं है। भारत दुनिया का विश्वगुरू बनना चाहता है, जोकि सच नहीं है। मुनीर ने यह धमकी फ्लोरिडा के टैम्पा में पाकिस्तानी मूल के कारोबारी अदनान असद की तरफ से रखे गए डिनर कार्यक्रम में दी। मुनीर सिंधु नदी पर ही नहीं रूके। उन्होंने यह भी कहा कि अगर भविष्य में भारत के साथ युद्ध में उनके देश के अस्तित्व को खतरा हुआ तो वो इस पूरे क्षेत्र को परमाणु युद्ध में झोंक देंगे। मुनीर ने कहा कि हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र हैं और अगर हमें लगता है कि हम डूब रहे हैं, तो हम आधी दुनिया को अपने साथ ले जाएंगे। भारत ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुनीर का बयान ऐसे देश में परमाणु कमान और नियंत्रण की अखंडता पर गहरी शंकाओं की इशारा करते हैं, जहां सेना आतंकवादी समूहों के साथ मिली हुई है। यह भी खेदजनक है कि ये टिप्पणियां किसी मित्र देश की धरती से की गई हैं। भारत परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा। हम अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाते रहेंगे। इससे पहले भारत सरकार के सूत्रों ने कहा था कि मुनीर के बयान से पता चलता है कि पाकिस्तान परमाणु हथियारों के मामले में एक गैर-जिम्मेदार देश है। पाकिस्तान में परमाणु हथियारों के गैर-सरकारी तत्वों के हाथों में पड़ने का वास्तविक खतरा है। जब भी अमेरिका पाकिस्तानी सेना का समर्थन करता है तो वे हमेशा अपना असली रंग दिखाते हैं। पाकिस्तानी लोकतंत्र को सेना ही नियंत्रित करती है। आश्चर्य नहीं कि अमेरिका के स्वागत उत्साहित होकर अगला कदम पाकिस्तान में तख्तापलट हो सकता है, ताकि फील्ड मार्शल राष्ट्रपति बन जाएं। हालांकि अति उत्साह में मुनीर ने भारत को मर्सिडीज कार और उसके मुकाबिल अपने देश को डंपिंग ट्रक बता दिया, जिसका पाकिस्तान में भी मजाक बनाया जा रहा है। दरअसल चिंता की बात यह नहीं है कि पाकिस्तान भी परमाणु सम्पन्न देश है और उसके पास भी परमाणु हथियार है, बल्कि इस बात की है कि ये परमाणु हथियार कभी भी आंतकी संगठनों के हाथ में जा सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो न केवल भारत परंतु पूरी दुनिया को ही इसके भयावह परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। क्योंकि पाक में सेना और आतंकियों का सीधा तालमेल है। पाकिस्तान खुद को बचाने और कश्मीर हथियाने के लिए इन आतंकियों का प्रॉक्सी की तरह इस्तेमाल कर रहा है और करता रहेगा। ऐसे में भारत को हर घड़ी चौकन्ना रहने की जरूरत है।

रिश्तों के द्वैत में उलझी व्यक्तिगत आजादी

हालाँकि, 'लिव-इन' संबंधों को विवाह का आदर्श विकल्प मानना एक भ्रम साबित हो सकता है। हाल की घटनाओं से यह स्पष्ट हुआ है कि 'लिव-इन' में भी वही समस्याएँ उत्पन्न होती हैं, जो विवाह में देखी जाती हैं। श्रद्धा वालकर की हत्या इसका एक भयावह उदाहरण है, जहाँ उसके 'लिव-इन' पार्टनर आफताब पूनावाला ने उसकी हत्या कर दी और उसके शरीर के टुकड़े कर कई दिनों तक छिपाए रखा। इसी तरह, महाराष्ट्र के कोल्हापुर में 23 वर्षीय समीक्षा की उसके ही 'लिव-इन' पार्टनर सतीश ने चाकू मारकर हत्या कर दी। एक अन्य घटना छिंदवाड़ा में हुई, जहाँ ममता नामक महिला की उसके 'लिव-इन' पार्टनर जुंगी ने निर्मम हत्या कर दी थी।

नजरिया

अमित कोहली
स्वतंत्र लेखक

भारतीय समाज में विवाह को एक संस्कार माना जाता है, जिसमें दो व्यक्तियों का ही नहीं, बल्कि दो परिवारों का मिलन होता है। पारंपरिक रूप से विवाह को सामाजिक स्थिरता, नैतिकता और पारिवारिक एकता का आधार माना गया है। विवाह के माध्यम से ना केवल संतानोत्पत्ति, बल्कि सामाजिक संरचना को बनाए रखने की कोशिश की जाती रही है। समय के साथ विवाह की परिभाषा और उद्देश्य बदलते गए हैं। आधुनिक समाज में विवाह साथी, मित्र और सहयोगी की खोज का माध्यम बन गया है।

आज विवाह व्यक्तिगत और भावनात्मक आवश्यकताओं से जुड़ गया है। लोग अब उसे केवल सामाजिक मान्यता प्राप्त करने का माध्यम नहीं मानते, बल्कि एक साथी, मित्र और सहयोगी की खोज के रूप में देखते हैं। विवाह में दो व्यक्ति एक-दूसरे को भावनात्मक और मानसिक संबल प्रदान करते हैं। इसके अलावा, विवाह कानूनी सुरक्षा और सामाजिक स्वीकृति भी प्रदान करता है। कई अधिकार और सुविधाएँ, जैसे संपत्ति का उत्तराधिकार, चिकित्सा निर्णय लेने का अधिकार और कर लाभ विवाह के माध्यम से सुनिश्चित होते हैं। आर्थिक स्थिरता भी एक महत्वपूर्ण कारक बन गई है, क्योंकि कई लोग विवाह को एक साझेदारी के रूप में देखते हैं, जहाँ दोनों व्यक्ति मिलकर जीवन की चुनौतियों का सामना करते हैं।

आजकल विवाह के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव आया है, लेकिन यह अभी भी समाज में एक महत्वपूर्ण संस्था बना हुआ है। कुछ लोग इसे एक पारंपरिक बंधन के रूप में देखते हैं, जबकि अन्य इसे एक व्यक्तिगत निर्णय मानते हैं। हाल ही में मेघालय से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। अन्देशा जताया जा रहा है कि इंदौर निवासी राजा रघुवंशी की हत्या उसकी नव-विवाहित पत्नी सोनम ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर कर दी। हत्या का कारण पारिवारिक विवाद और विवाह में बढ़ती असहमति बताई जा रही है। पुलिस की जांच में सामने आया कि सोनम और उसके प्रेमी ने मिलकर राजा को रास्ते से हटाने की योजना बनाई थी।

कुछ समय पूर्व मेरठ में एक और भयावह घटना सामने आई थी, जहाँ मुस्कान नामक महिला ने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौरभ की हत्या कर दी थी। सौरभ लंदन से मुस्कान का जन्मदिन मनाने आया था, लेकिन कुछ ही दिनों बाद उसकी हत्या कर दी गई। हत्या के बाद मुस्कान और साहिल ने शव के 15 टुकड़े कर उसे सीमेंट से भरे ड्रम में डाल दिया। पुलिस ने जब घर में फैली दुर्गंध के कारण जांच शुरू की, तब इस अपराध का खुलासा हुआ।

'लिव-इन' संबंधों को अक्सर पारंपरिक विवाह का स्वतंत्रता और समता आधारित विकल्प माना जाता है। इसे एक ऐसी व्यवस्था के रूप में देखा जाता है, जहाँ दो व्यक्ति बिना सामाजिक और कानूनी बंधनों के साथ रह सकते हैं, एक-दूसरे को बेहतर समझ सकते हैं और

अपने रिश्ते को बिना बाहरी दबाव के विकसित कर सकते हैं। 'लिव-इन' की लोकप्रियता बढ़ने के पीछे कई कारण हैं। युवा वर्ग अब विवाह से पहले एक-दूसरे को समझने और रिश्ते की वास्तविकता को परखने के लिए 'लिव-इन' को प्राथमिकता दे रहा है। यह व्यवस्था उन लोगों के लिए भी आकर्षक है, जो विवाह की कानूनी और सामाजिक जटिलताओं से बचना चाहते हैं। इसके अलावा, 'लिव-इन' में सहजीवन की स्वतंत्रता होती है, जहाँ दोनों साथी बिना किसी सामाजिक दबाव के अपने रिश्ते को आगे बढ़ा सकते हैं।

हालाँकि, 'लिव-इन' संबंधों को विवाह का आदर्श विकल्प मानना एक भ्रम साबित हो सकता है। हाल की घटनाओं से यह स्पष्ट हुआ है कि 'लिव-इन' में भी वही समस्याएँ उत्पन्न होती हैं, जो विवाह में देखी जाती हैं। श्रद्धा वालकर की हत्या इसका एक भयावह उदाहरण है, जहाँ उसके 'लिव-इन' पार्टनर आफताब पूनावाला ने उसकी हत्या कर दी और उसके शरीर के टुकड़े कर कई दिनों तक छिपाए रखा। इसी तरह, महाराष्ट्र के कोल्हापुर में 23 वर्षीय समीक्षा की उसके ही 'लिव-इन' पार्टनर सतीश ने चाकू मारकर हत्या कर दी। एक अन्य घटना छिंदवाड़ा में हुई, जहाँ ममता नामक महिला की उसके 'लिव-इन' पार्टनर जुंगी ने निर्मम हत्या कर दी थी।

इन घटनाओं से पता चलता है कि 'लिव-इन' संबंधों में भी भावनात्मक अस्थिरता, अधिकारों की अस्पष्टता और हिंसा की संभावना बनी रहती है। विवाह में पारिवारिक दबाव और सामाजिक अपेक्षाएँ तनाव पैदा कर सकती हैं, जबकि 'लिव-इन' में कानूनी अस्पष्टता और सामाजिक अस्वीकृति असुरक्षा को बढ़ा सकती है। जाहिर है, 'लिव-इन' भी विवाह की समस्याओं का समाधान नहीं हैं, बल्कि वे केवल एक अलग रूप में उन्हीं चुनौतियों को प्रस्तुत करते हैं। हाल के वर्षों में इन दोनों व्यवस्थाओं की असफलता और अप्रासंगिकता पर गंभीर प्रश्न उठने लगे हैं। विवाह, जो कभी सामाजिक स्थिरता और पारिवारिक संरचना का आधार माना जाता था, अब कई लोगों के लिए एक बंधन बन गया है। पारिवारिक दबाव, सामाजिक अपेक्षाएँ और व्यक्तिगत असंतोष विवाह को तनावपूर्ण बना देते हैं। तलाक की बढ़ती दरें और विवाह में होने वाली हिंसा इस संस्था की असफलता को उजागर करती हैं। मेरठ और इंदौर की घटनाएँ दर्शाती हैं कि विवाह में बढ़ते अविश्वास और बाहरी संबंधों के कारण हिंसा तक की नौबत आ सकती है।

दूसरी ओर, 'लिव-इन' संबंधों को विवाह का स्वतंत्र और प्रगतिशील विकल्प माना गया, लेकिन यह भी विवाह की समस्याओं से मुक्त नहीं रहा। श्रद्धा वालकर की हत्या जैसी घटनाएँ यह दर्शाती हैं कि 'लिव-इन' संबंधों में भी भावनात्मक अस्थिरता, अधिकारों की अस्पष्टता और हिंसा की संभावना बनी रहती है। कानूनी सुरक्षा और सामाजिक स्वीकृति की कमी के कारण 'लिव-इन' संबंधों में असुरक्षा बढ़ती जा रही है।

विवाह और 'लिव-इन' संबंधों की असफलता ने यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या दो व्यक्तियों का आजीवन साथ रहने का संकल्प उचित भी है? पारंपरिक विवाह सामाजिक स्थिरता और पारिवारिक संरचना को बनाए रखने के लिए विकसित हुआ था, जबकि 'लिव-इन' संबंधों को व्यक्तिगत स्वतंत्रता और समानता का प्रतीक माना गया। लेकिन दोनों ही व्यवस्थाएँ भावनात्मक अस्थिरता, अधिकारों की अस्पष्टता और हिंसा से मुक्त नहीं रह सकीं।

समाधान की दिशा में कुछ संभावित विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। विवाह या 'लिव-इन' को स्थायी बंधन मानने के बजाय, इसे एक समझौते के रूप में देखा जाए, जहाँ दोनों पक्षों को स्वतंत्रता और सम्मान मिले। इसके अलावा, विवाह और 'लिव-इन' संबंधों में कानूनी सुरक्षा और अधिकारों की स्पष्टता बढ़ाई जाए, ताकि किसी भी प्रकार की हिंसा या असुरक्षा को रोका जा सके। विवाह और 'लिव-इन' संबंधों की असफलता को देखते हुए यह आवश्यक हो जाता है कि समाज संबंध के नए मॉडल की खोज करे, जो व्यक्तिगत स्वतंत्रता, समानता और सुरक्षा को प्राथमिकता दे। **(सप्रेस)**

स्वतंत्रता

धर्मेन्द्र सिंह लोधी
लेखक मध्य प्रदेश के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार हैं।

भारत विभाजन एक घटना नहीं, विभीषिका है

अनेक वर्षों की पराधीनता और समस्त विदेशी शक्तियों को पराभूत कर 15 अगस्त 1947 को भारत में स्वाधीनता का सूर्योदय हुआ। इस सूर्योदय ने सदियों की गुलामी का अंधकार मिटाकर स्वराज के पुष्प को पल्लवित किया। लेकिन साथ ही इसकी ऊष्णता ने एक भयावह विभीषिका को भी जन्म दिया। और वह थी मातृभूमि के विभाजन की विभीषिका।

भारत का विभाजन केवल एक घटना मात्र नहीं है, एक त्रासदी है, जिसने न केवल अखण्ड भारत की एकता को खण्डित किया है, बल्कि हमारे सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय ताने-बाने को भी भीतर एक घायल किया है।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जब ब्रिटिश हुकुमत को भारत पर अपनी सत्ता को जारी रखना असंभव लगने लगा, तब एक बार फिर अंग्रेजों ने ''फूट डालो'' और ''राज करो'' की नीति को अपनाया। अंग्रेजो के इस षड्यंत्र में मुस्लिम लीग और मोहम्मद अली जिन्ना की संकीर्ण और कट्टर मानसिकता, अलगाववादी राजनीति और सत्ता की लोलुपता ने, आग में घी की तरह काम किया।

जिन्ना ने धर्म के आधार पर एक अलग 'मुस्लिम राष्ट्र' के विचार को हथियार बनाकर देश की हवाओं में साम्प्रदायिकता का जहर घोला। भारत-विभाजन और अलग 'मुस्लिम राष्ट्र' के लिए मुस्लिम लीग ने 16 अगस्त 1946 को 'प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस' का आह्वान किया और बंगाल, बिहार सहित पूरे देश में भीषण साम्प्रदायिक दंगे भड़काए।

स्वतंत्रता से ठीक पहले हुए इस साम्प्रदायिक दंगों से देश कांप उठा। ये दंगे मुस्लिम लीग और जिन्ना की सुनियोजित रणनीति थी। इन दंगों में हजारों लोग मारे गए, लाखों लोग बेघर हुए, अनगिनत स्त्रियों के साथ दुराचार किया गया। हिंसा का सबसे ज्यादा शिकार 'हिन्दू लोग बने। हजारों निर्दोष हिन्दुओं की हत्या की गई। हिन्दु महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया। लाखों हिंदुओं को जबरन धर्म परिवर्तन के लिए विवश किया गया। धर्म के नाम पर जो कुछ भी बुरे से बुरा हो सकता था, वह सब इन साम्प्रदायिक दंगों में घटित हुआ।'

विभाजन को रोकने की सारी कोशिशों के बाद भी अंततः 14 अगस्त 1947 को भारत का विभाजन हो ही गया। भारत भूमि का यह विभाजन एक ऐसी मानव-त्रासदी के रूप में सामने आया जिसकी पीड़ा पीढ़ियों तक महसूस की गई और आज भी की जा रही है।

रातों-रात भारत की सांस्कृतिक धारा को दो कृत्रिम भू-भागों में बांट दिया गया। करोड़ों लोग रातों-रात अपना घर आँगन, खेत-खलिहान छोड़कर अनजाने रास्तों पर निकल पड़े। लगभग एक करोड़ हिन्दू और सिख पाकिस्तान से भारत आये और लगभग 70 लाख मुसलमान भारत से पाकिस्तान गए।

भारत विभाजन का सबसे भयावह पक्ष था- मानवता का पतन। विभाजन के दौरान साम्प्रदायिक हिंसा ने व्यापक रूप लिया। सबसे अधिक नरसंहार हिन्दुओं का किया गया। क्रूरतापूर्ण कत्लेआम, बलात्कार, आगजनी, लूटपाट और व्यापक पैमाने पर धर्मांतरण जैसी घटनाओं को अंजाम दिया गया। ट्रेने लोगों को नहीं बल्कि लाशों को ढोने लगी। पाकिस्तान से हिंदुओं की लाशों से भरी ट्रेन को भारत भेजा गया। मासूम बच्चों की चीखें, माताओं का विलाप, स्त्रियों से बलात्कार और बेसहारा चेहरों की भीड़ ये सब विभाजन की विभीषिका के स्थाई प्रतीक बन गए। लेकिन सवाल यह उठता है कि भारत विभाजन हुआ क्यों ? वास्तव में भारत का विभाजन तत्कालीन मुस्लिम नेताओं की धार्मिक कट्टरता और सत्ता की लोलुपता का परिणाम था। जिन्ना ने 'वजीर-ए-आजम' बनने की ख्वाहिश को पूरा करने के लिए मजहब के नाम पर मुसलमानों को खूब भड़काया। जिन्ना ने कहा ''मुसलमान के लिए अलग देश बनाना अल्लाह का फरमान है और इसके लिए जो हिंदुओं का कत्ल करेगा उसे जन्नत नसीब होगी।'' जिन्ना ने यहां तक कहा कि ''हम विभाजित भारत चाहते हैं या नष्ट भारत।''

जिन्ना की तरह ही मोहम्मद इकबाल जैसे लोगों ने भी अपने विचारों से विभाजन की इस विभीषिका में ''आग में घी'' की तरह काम किया। मोहम्मद इकबाल, जिन्होंने शुरुआती दिनों में लिखा-

मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना
हिंदी है हम वतन है हिंदुस्तां हमारा

इस्लामी रंग चढ़ने के बाद, वही इकबाल बाद में लिखते है-

चीन-ओ-अरब हमारा हिंदुस्तां हमारा।
मुस्लिम है हम वतन है सारा जहां हमारा

कुल मिलाकर विभाजन की यह विभीषिका कोई आकस्मिक घटना नहीं थी बल्कि, इस्लामिक कट्टरवाद की एक सुनियोजित त्रासदी थी। जिसका खामियाजा आज भी संपूर्ण भारत भुगत रहा है। पाकिस्तान प्रायोजित इस्लामिक आतंकवाद वास्तव में भारत विभाजन का ही परिणाम है।

विभाजन की विभीषिका की पीड़ा आज भी करोड़ों भारतीयों के हृदय में विद्यमान है। जिसे स्वर्गीय अटल जी की इस कविता में सहज ही महसूस किया जा सकता है -

अटल जी कहते हैं-

पन्द्रह अगस्त का दिन कहता- आज़ादी अभी अधूरी है।
सपने सच होने बाक़ी हैं, रावी की शपथ न पूरी है॥

दिन दूर नहीं खंडित भारत को पुनः अखंड बनाएँगे।

गिलगित से गारो पर्वत तक आजादी पर्व मनाएँगे॥

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने धारा 370 को समाप्त करके और कश्मीर से आतंकवाद का सफाया करके अटल जी की इस पीड़ा को काफी हद तक कम अवश्य किया है, किन्तु उनकी पुकार अभी भी अधूरी है, और वह उस दिन पूरी होगी जब पीओके पर हमारा पूर्ण आधिपत्य होगा। आज हम विभाजन की विभीषिका को स्मरण कर रहे हैं। यह स्मरण वास्तव में इतिहास का पुनरावलोकन मात्र नहीं है, बल्कि एक चेतावनी है, कि जब मजहबी कट्टरता और सत्ता की लोलुपता एक साथ हो जाते हैं, तो वह राष्ट्र की सीमाओं में दरार पैदा कर देते हैं।

महाभारत का युद्ध समाप्त होने के बाद भीष्म पितामह ने युधिष्ठिर से कहा था कि-

''मैंने हस्तिनापुर का विभाजन करके अपने जीवन की सबसे बड़ी भूल की थी, यदि एक राजा के रूप में तुम्हारे समक्ष कभी भी राष्ट्र के विभाजन का प्रसंग आए तो कुरुक्षेत्र में आ जाना लेकिन राष्ट्र का विभाजन मत होने देना।''

भारत के विभाजन का यह दिन हमें यह याद दिलाता है, कि राष्ट्र की एकता और सांस्कृतिक अखंडता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। विभाजन के घाव कितने भी गहरी हो लेकिन वे ''भारत की आत्मा'' को खंडित नहीं कर सकते। हमारी गौरवशाली संस्कृति, हमारी महान सभ्यता और हमारे समृद्ध इतिहास की धारा युगों-युगों से अविरल बहती रही है और बहती रहेगी। उसके प्रवाह को दुनिया की कोई भी ताकत रोक नहीं सकती। विभाजन की इस विभीषिका से हमें यह भी सबक लेना है कि फिर कभी, किसी जिन्ना, किसी इकबाल या किसी विभाजनकारी विचार को अपने बीच पनपने नहीं देना है।

कटाक्ष

अब लिखा कौन मानता है

मुकेश राठौर
लेखक व्यंग्यकार हैं।

बुजुर्गों ने उवाचा है,सौ बका तिस पर एक लिखा। हम हमेशा से बके के बरअक्स लिखें को वरीयता देते रहे हैं। लिखा स्मृति है,बका विस्मृति। हम समझते हैं, लिखेगा तो दिखेगा लेकिन देखने में आया है कि लिखा हुआ लिखा ही रह जाता है और जो दिखता है 'ये तो लिखा ही नहीं था' सोचकर हम देखते ही रह जाते हैं। लिखा जब होना नहीं तो लिखना ही क्यों!

सार्वजनिक उद्यानों में लिखा होता है 'फूल पत्तियां न तोड़ें' मगर हर सुबह भांति-भांति के भक्त पहुंचते हैं और इन्हें तोड़ लाते हैं। पहले आओ-पहले पाओ के बतर्ज जो पहले चला आया सारे फूल उसकी झोली में,बाद वाले के लिए सिवाय कलियों के कुछ नहीं। 'माली आवत देखि कर कलियन करी पुकार,फूले-फूले चुन लिए काल हमारी बार।' कोई समझदार टाइप फूलचंद इन मनफूलों को फूल तोड़ने से रोकना भी चाहे तो भगवान का हवाला दे दिया जाता है। भगवान के विरोध में भला कौन जाना चाहेगा? भगवान के नाम पर आप सड़क पर साइड खड़ी कार के शीशे, ट्रैफिक सिग्नल,दुकानों के सामान यहां तक कि सैनिक की हड्डी-पसली तक तोड़ सकते हैं तो फिर फूल तो तोड़ने के लिए ही बने हैं।

सड़क किनारे कितनी सूचनाएं लिखी होती है,आगे गति अवरोधक है,आगे अंधा मोड़ है...लेकिन बिन पढ़ें हम अपनी गति से अंधे बन हर मोड़ पार करते चले जाते हैं। गूगल मैप लगा हों तब तो कार सहित निर्माणाधीन पुल के साथ भवसागर भी पार उतर जाए तो कम नहीं। अब लिखा हुआ पढ़ता ही कौन है? ये बात और है कि कईयों को पढ़ते ही नहीं आता। आप पूछेंगे कि फिर उनका ड्राइविंग लाइसेंस कैसे बन गया होगा?...तो यह कबीर का रहस्यवाद है। एक बार ड्राइवर बन जाइए बस,फिर लाइसेंस तो घर बैठे बनकर आ जाएगा,रहा सवाल पढ़ाई-लिखाई का तो जब सरकार चलाने के लिए पढ़ाई जरूरी नहीं तो गाड़ी क्या चीज है!

देश चलाने की बात चली तो यूनो देश संविधान से चलता है। सत्तापक्ष के आकर्षण या विपक्ष के विकर्षण से नहीं। कदाचित दुनिया के किसी भी संप्रभु राष्ट्र की तुलना में हमारे देश का संविधान सबसे बड़ा लिखित संविधान है,जिसमें सरकार के कामकाज,विधायी शक्तियों,नागरिक अधिकार और मौलिक कर्तव्यों...सबका विस्तृत ब्यौरा है। इस लिखित संविधान की लिखित शपथ अक्षरशःपढ़कर ही वे माननीय हो जाते हैं,लेकिन इसका कितना पालन करते हैं वे जाने और हम समझें।

लिखें की सर्वाधिक अनदेखी होती है हमारे सामाजिक आयोजनों में। यूं तो विवाह पत्रिका में खल माटी से लग्न,विदाई तक बाकायदा समय सूचना लिखी होती है। मगर कुछ भी तय समय पर नहीं होता। लग्न जैसी जरूरी रस्म भी नहीं। कहा तो जाता है कि गोरज लग्न है लेकिन एन सूर्यास्त पर भी वर तोरण प्रवेश कर जाए तो समझो गढ़ जीते। फिर लग्न तो गोरज से घड़ी बन देर रात तक भी लगते रहेंगे। कभी तो लगता है इस तोरण द्वार ने ही ढील दे रखी है। बत्तीस की कमर वाला एक बार दरोगा बन गया तो फिर कमर बासठ का कमरा बन जाए कौन फीता उठाकर नापता है! सरकारी मुलाजिम ऑनलाइन अटेंडेंस लगा दिनभर कुर्सी पर कुंडली मार बैठे रहे कौन उठाने लगा! कंवार के घाम में घर से भागकर आप बाबा बन भक्तों की हथेली देख भविष्य बताने लगें कौन आपकी पिट्ठी पकड़ भूतकाल पूछने लगा! योग्य,मिलनसार के पर्चे चस्पा कर जीता उम्मीदवार सीधे इलेक्शन टू इलेक्शन ही मिलें तो भी जनता गदगद हो लेती है।

दरअसल, हम लिखें की अनदेखी के आदी हो चुके हैं। इसे औपचारिकता भर मानते हैं। किसी ने ठीक ही कहा है- यूं तो लिखने को बहुत कुछ लिखा गया, जिसे जितना समझना था उतना ही समझा।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

अतुल चतुर्वेदी
लेखक व्यंग्यकार हैं।

जर्जर स्कूल, तेज बारिश और बच्चे

यह रोज़ की तरह एक दिन था बस सुबह से बरसात की झड़ी लगी हुई थी। और जैसा कि आमतौर पर छोटे स्कूलों में होता है बरसात के दिनों में अघोषित अवकाश हो जाता है। गाँव का यह एकमात्र मिडिल स्कूल है। गाँव के भोले भाले स्कूली बच्चे काग़ज़ की नाव बना रहे हैं और स्कूल की टपकती छत से बहने वाली नाली की जल धार में उसे बहा रहे हैं। बच्चे टपकती छत से बचने को खो खो के खिलाड़ियों की तरह कक्षा में जगह बदलते फिर रहे हैं। उनके लिए यह खेल हो गया है मनोरंजक। एक कमरे में तीन क्लासें घुसी बैठी हैं।

पीछे की पंक्ति के बच्चे बारिश में निकलने वाली वीर बहूटी से खिलवाड़ कर रहे हैं उन्हें वो किसी नयी गाड़ी के मॉडल सी लग रही है। अध्यापिका जी निश्चिंत हैं। पहले वो अपना बेटा सम्भालती हैं फिर बच्चों की हाज़िरी भरती हैं और फिर दूसरी क्लास का मुआयना करने चली जाती हैं। उन्हें इस कमरे की दरकती दीवारों का पता है। छत यहाँ भी टपक रही हैं, बच्चे एक कोने में सिमट गये हैं। लग रहा है अभी भरभरा के गिर पड़ेगी यह छत। चार पाँच जगह से छेदों से पानी लीकेज हो रहा है। तभी दीवारों की ईंटें फुसफुसाती हैं एक दूसरे से - बहना मेरे तो हाथ पैर जवाब दे रहे हैं और कब तक बुढ़ापे में झेलेंगी हम बरसात की मार को? बग़ल वाली दीवार की ईंट बोली - हमारे तो ठेकेदार ने न सीमेंट का प्रोटीन रिच डाइट दिया न महँगी रेत का मिनरल्स। अब जिस्म में जान ही नहीं बची है ठंड से फेफड़े फड़ फड़ आवाज़ कर रहे हैं, कहीं निमोनिया हो गया तो हम तो औंधे मुँह गिर पड़ेंगी।

एक बुजुर्ग ईंट ने कहा - मुझे इन मासूम बच्चों का ख्याल आ जाता है बस। कहीं इनके चोट लग गई तो दूर दूर तक अस्पताल का नामों निशान नहीं है यहाँ। इस बीच छत बोली, मेरे तो पैर काँप रहे हैं खड़ा ही नहीं रहा जा रहा। लगता है गिरना ही पड़ेगा। बारिश तो देखो कैसी बेशर्म सी बरस रही है। तभी तीसरी दीवार कहने लगी, न विभाग को परवाह है अधिकारियों को जो ठेकेदार का काम देखते हैं ढंग से कर रहा है या नहीं न स्कूल की शाला समिति को, अध्यापकों को। हम तो गिर पड़ेंगी बस देखो कितने ज़ख्म हो गये हैं देह पर, स्किन पर दाने से हो गये हैं। हड्डियां खट खट कर रही हैं, घुटनों का ग्रीस ही ख़त्म हो गया तो बैलेंस सम्भालेगा कौन? अब लगता है गिरना ही पड़ेगा। चलो उस तरफ़ गिर जाती हूँ जिधर बच्चे पानी टपकने की वजह से कम बैठे हैं। प्लास्टर के दो चार टुकड़े गिर जाते हैं क्लास में शोर सा उठता है। अध्यापिका जी घबरा जाती हैं और उच्च अधिकारियों को फ़ोन लगाती हैं। बारिश की वजह से नेटवर्क नहीं मिल पा रहा है हमेशा की तरह। तभी पड़ोस के बड़े स्कूल की प्रिंसिपल मैडम का फ़ोन लग जाता है। वो पूछती हैं, आपने उच्च अधिकारियों को सूचित किया था? जी मैडम। कितनी बार लिखा? तीन बार मैडम, यहाँ निरीक्षण को आये थे तो कहा था? कहा था मैडम, फिर? उन्होंने कहा अभी बजट नहीं आया है सितंबर तक आएगा तब देखेंगे। मैडम तब तक कहीं छत गिर गई? कोई हादसा हो गया तो! प्रिंसिपल मैडम ने कहा -बच्चों को बरामदे में एकसाथ बैठा लो और अपनी जिमेदारी पर चाहो तो छुट्टी कर दो। कोई पूछे तो मेरा नाम न लेना। उधर दीवारों और छत की आपातकालीन बैठक चल रही थी। दीवारें बच्चों को देखकर रहम खा रही थीं हालांकि उनके पैर काँप रहे थे लेकिन उनका मानना था छत से कि चार पाँच घंटे और गुज़ार लो रात को गिर पड़ना, यदि नहीं रुका जा रहा तो। छत की हालत पतली थी वहाँ तीन फ़ीट पानी भर गया था भार के कारण उसके किडनी, लीवर और हार्ट का मल्टी फेलियर हो रहा था। वैसे उसे भी बच्चों से मोह हो गया था और वो अपने को थामने की भरपूर कोशिश कर रही थी। तभी कुछ बुजुर्ग ईंटें बोल उठीं बहनों हमें अपना धर्म निभाना है हम निर्मम पुल नहीं हैं हम स्कूल की दीवारें हैं जहां नैतिकता का पाठ पढ़ाया जाता है और सेवार्थ प्रस्थान लिखा होता है इसिलए कुछ तो साख रखो इन खुदे सूक्ति वाक्यों की। हम शिक्षा अधिकारियों से काग़ज़ी, ठेकेदार से लालची और लापरवाह अध्यापक से मूडी नहीं हो सकते। हमें रात की प्रतीक्षा करनी होगी, साथी हाथ बढ़ाना रे कहकर सब दीवारों ने एक दूसरे का और दीवारों ने छत को थाम लिया।

वीर दुर्गादास राठौड़ : शौर्य, पराक्रम एवं वीरता के प्रतीक

महाराजा जसवंत सिंह की मुगल शहंशाह शाहजहां से मैत्री संधि थी। आगे 1673 में मुगल शहंशाह औरंगजेब के फरमान पर जोधपुर नरेश अफगानिस्तान में एक सैन्य अभियान पर गये थे और दुर्याग से वहीं 1678 में नि:संतान दो गर्भवती रानियों को छोड़ परलोक सिधार गये। बाद में रानियों के पुत्र हुए, जिसमें एक की मृत्यु हो गयी और दूसरा शिशु राजकुमार अजीत सिंह नाम से विख्यात हुआ। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि औरंगज़ेब महाराजा जसवंत सिंह को मेवाड़-मारवाड़ में मुगल साम्राज्य के विस्तार पथ का सबसे बड़ा कंटक मानते हुए पसंद नहीं करता था किंतु संधि होने के फलस्वरूप सीधा आक्रमण न कर हमला करने हेतु उचित कारण की तलाश में रहता था। इसका कारण यह था कि पूर्व में दिल्ली की गद्दी के लिए दारा शिकोह के साथ राजा जसवंत सिंह औरंगजेब के विद्रोह को दबाने हेतु गये थे किंतु सफल नहीं हुए थे और कालांतर में औरंगजेब ने पिता शाहजहां को कैद कर वर्ष सन् 1658 में दिल्ली की गद्दी हथिया ली थी।

जयंती पर विशेष

प्रमोद दीक्षित मलय

शिक्षक लेखक और शैक्षिक संवाद मंच उ.प्र. के संस्थापक हैं।

भारतीय इतिहास के आभायुक्त गरिमामय वितान का क्षत्रिय राजपूती फलक शताब्दियों से अपने त्याग, बलिदान, वीरता, स्वामिभक्ति तथा साका एवं जौहर व्रत से लोकजीवन में प्रेरणा एवं ऊर्जा का संचार करते हुए देश एवं राष्ट्र के लिए सर्वस्व समर्पण का पथ प्रशस्त करता रहा है। इस मरुभूमि ने ऐसे नर नाहर उत्पन्न किए जिनके केवल नामोच्चारण से ही अरिदल के हृदय कंपित हो जाते थे। ऐसे ही वीर दुर्गादास राठौड़ संकल्प के धनी प्रखर राजपूत योद्धा थे जिन्होंने अपनी वीरता, दूर दृष्टि, संगठन शक्ति, कूटनीति एवं शौर्य-पराक्रम से इतिहास के गगनांचल में मारवाड़ के ध्वज को नवल गरिमा से सम्पृक्त कर श्रद्धा का आधार केंद्र बना दिया था। यह वीर दुर्गादास राठौड़ के युद्ध कौशल और रणनीति का ही परिणाम था कि दिल्ली से औरंगज़ेब की कैद से महाराजा जसवंत सिंह की विधवा रानियों एवं शिशु अजीत सिंह को सकुशल निकाल कर मारवाड़ लाने में सफल रहे थे, जिससे औरंगजेब हाथ मलते कसमसा कर रह गया था।

वीर दुर्गादास राठौड़ का जन्म 13 अगस्त, 1638 को मारवाड़ राज्यान्तर्गत सेलवा नामक ग्राम में हुआ था। पिता आसकरण राठौड़ जोधपुर नरेश महाराजा जसवंत सिंह के मंत्री एवं जागीरदार थे। माता नेतकंवर अपने पति आसकरण राठौड़ से अलग एक अन्य गांव में रहते हुए भी दुर्गादास राठौड़ का उचित पालन-पोषण किया और उसके हृदय क्षेत्र में त्याग, बलिदान एवं वीरता के भाव बीज का रोपण महाभारत एवं रामायण की प्रेरक कथाएं सुनाकर किया था। ओज-तेज प्रभा समन्वित बालक दुर्गादास शुक्ल पक्ष के चंद्र की भांति लोक में उजियार करने लगा।

महाराजा जसवंत सिंह की मुगल शहंशाह शाहजहां से मैत्री संधि थी। आगे 1673 में मुगल शहंशाह औरंगजेब के फरमान पर जोधपुर नरेश अफगानिस्तान में एक सैन्य अभियान पर गये थे और दुर्योग से वहीं 1678 में निःसंतान दो गर्भवती रानियों को छोड़ परलोक सिधार गये। बाद में रानियों के पुत्र हुए, जिसमें एक की मृत्यु हो गयी और दूसरा शिशु राजकुमार अजीत सिंह नाम से विख्यात हुआ। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि औरंगज़ेब महाराजा जसवंत सिंह को मेवाड़-मारवाड़ में मुगल साम्राज्य के विस्तार पथ का सबसे बड़ा कंटक मानते हुए पसंद नहीं करता था किंतु संधि होने के फलस्वरूप सीधा आक्रमण न कर हमला करने हेतु उचित कारण की तलाश में रहता था। इसका कारण यह था कि पूर्व में दिल्ली की गद्दी के लिए दारा शिकोह के साथ राजा जसवंत सिंह औरंगजेब के विद्रोह को दबाने हेतु गये थे किंतु सफल नहीं हुए थे और कालांतर में औरंगजेब ने पिता शाहजहां को कैद कर वर्ष सन् 1658 में दिल्ली की गद्दी हथिया ली थी। तब राजा जसवंत सिंह ने भी औरंगजेब से संधि करना उचित समझा था। तो इस प्रकार महाराजा की अचानक मृत्यु हो जाने से मारवाड़ राज्य के रिक्त सिंहासन को देख औरंगजेब की राज्य लिप्सा बढ़ी और मारवाड़ को मुगल राज्य के अधीन करने का स्वप्न साधने हेतु कुछ सरदारों को लाव-लश्कर सहित जोधपुर रवाना कर दिया तथा उधर अफगानिस्तान से मारवाड़ के लिए निकली सेना को दिल्ली के बाहर रुकने तथा रानियों एवं शिशु अजीत सिंह को दिल्ली दरबार में हाजिर होने का हुक्म दिया। रानियों को दिल्ली पहुंचते ही कैद कर एक किले में नजरबंद कर दिया गया। यह धोखा वीर दुर्गादास राठौड़ को अंदर तक झकझोर गया और वह अपने सरदारों के साथ रानियों एवं राजकुमार अजीत की मुक्ति हेतु रणनीति बनाने लगे, सेना दिल्ली के बाहर तैयार ही थी। किंतु तभी औरंगजेब ने सेना को दिल्ली छोड़ने का फरमान दिया तो सेना आगे बढ़ गयी। परंतु वीर दुर्गादास ने अपने कुछ विश्वस्त सरदारों एवं युद्धाओं को गुप्त रूप से दिल्ली में रोक लिया और कुछ सरदारों को फौज की टुकड़ी के साथ आसपास के गांवों में रुकने का आदेश दिया। और एक दिन अनुकूल अवसर पर हमला कर औरंगजेब की नाक के नीचे से रानियों एवं शिशु राजकुमार अजीत सिंह को निकाल कर मारवाड़ पहुंचा दिया। योजनानुसार अजीत सिंह का पालन-पोषण भिन्न-भिन्न गांवों में करवाने की व्यवस्था कर वह स्वयं मुगल सेना से लोहा लेते रहे। इसी बीच कूटनीति एवं दूरदृष्टि से औरंगज़ेब को उसके घर में उलझाने का विचार कर उसके पुत्र मुहम्मद अकबर को पिता के विरुद्ध उकसाया। और उसे सैन्य सहायता देकर दिल्ली पर जोरदार हमले की रणनीति बनाई। अद्भुत संगठन शक्ति की कुशलता से दुर्गादास विभिन्न रियासतों एवं बिखरी राजपूती सैन्य शक्ति को पूर्व में ही संगठित कर नेतृत्व की भूमिका में आ गये थे। किंवदंती है कि वीर दुर्गादास राठौड़ का भोजन एवं शयन भी घोड़े की पींठ पर ही होता था। कहने का आशय केवल इतना है कि राजकुमार अजीत सिंह राठौड़ को मारवाड़ के सिंहासनासीन कराने तक वह चैन से नहीं बैठे और अपने अश्व के साथ सर्वदा युद्ध हेतु तत्पर रहे। हालांकि, अजीत सिंह का राजतिलक होने के बाद दुर्गादास को मारवाड़ छोड़ना पड़ा। उसका कारण था कि जब शहजादा मुहम्मद अकबर के विद्रोह को औरंगजेब ने दबा दिया तो दुर्गादास राठौड़ ने उसे दक्षिण में मराठों के पास भेज दिया और एक वर्ष बाद वह वहां से ईरान भाग गया। इस भागमभाग में उसके एक पुत्र-पुत्री मारवाड़ में ही छूट गये जिनका पालन-पोषण दुर्गादास के संरक्षण में हुआ। एक बार युवा राजकुमार अजीत सिंह ने अकबर की पुत्री को देखा तो मुग्ध हो विवाह का प्रस्ताव रखा किंतु दुर्गादास ने नीति एवं धर्म-विरुद्ध बताकर उन पुत्र-पुत्री को औरंगजेब के पास भिजवा दिया। इससे अजीत सिंह मन ही मन दुर्गादास से अत्यंत क्रुद्ध हुआ। वह उनसे बदला ले, इसके पहले ही वह मारवाड़ छोड़कर मेवाड़ प्रवास करते हुए उज्जैन पहुंच गये।

महाकाल शिव की नगरी उज्जैन में वीर शिरोमणि दुर्गादास राठौड़ की देह 22 नवम्बर, 1718 को पवित्र शिप्रा नदी के तट पर पावन रज में भस्मीभूत हो गयी। उनके मृत्यु स्थल पर एक छतरी का निर्माण किया गया। भारत सरकार ने उनकी स्मृति को संजोते हुए 16 अगस्त, 1988 को एक डाक टिकट तथा 25 अगस्त, 2003 को स्मारक सिक्के जारी किये और एक सड़क का नाम उनके नाम पर वीर दुर्गादास राठौड़ मार्ग रखा। उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर 'वीर दुर्गादास' नाम से वर्ष 1924 और 1960 में फिल्में बनाई गईं। बच्चों के लिए अमर चित्रकथा का प्रकाशन हुआ। वीर दुर्गादास राठौड़ का जीवन हमें सर्वदा देशभक्ति की प्रेरणा देता रहेगा।

रजिस्टर्ड डाक: एक युग की खामोश विदाई

अलविदा

डॉ. प्रियंका सौरभ

लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं।

एक सितंबर दो हज़ार पच्चीस को जब भारत डाक की रजिस्टर्ड डाक सेवा औपचारिक रूप से समाप्त कर दी जाएगी, तो संभवतः किसी समाचार पत्र के मुख्य पृष्ठ पर यह नहीं छपेगा, न ही किसी समाचार चैनल पर विशेष चर्चा होगी। यह समाचार जितना सामान्य प्रतीत होता है, उतना ही गहरा असर छोड़ता है – उस पीढ़ी पर, जिन्होंने वर्षों तक डाकिये की साइकिल की घंटी सुनकर अपने दिन की शुरुआत की। जिन्होंने पत्रों के माध्यम से रिश्तों को जिया और डाकघर की कतारों में खड़े होकर संवाद की प्रतीक्षा की।

रजिस्टर्ड डाक कोई साधारण सेवा नहीं थी। यह उन दिनों की गवाही थी जब हम कागज़ पर स्याही से अपने जज़्बातों को उकेरा करते थे। जब एक लिफ़ाफ़े में कई अनकही बातें, लंबा इंतज़ार और अनगिनत भावनाएँ समाहित होती थीं। जब एक पत्र, चाहे वह परिवार के किसी सदस्य का हो या सरकारी दस्तावेज़, केवल कागज़ का टुकड़ा नहीं होता था, बल्कि विश्वास का प्रतीक होता था – कि यह ज़रूर पहुँचेगा, सही हाथों में, सही समय पर।

रजिस्टर्ड डाक वह सेतु था, जो गाँव को शहर से, माँ को बेटे से, प्रेमिका को प्रेमी से, और नागरिक को शासन से जोड़ता था। वह न केवल संवाद का माध्यम था, बल्कि संबंधों को सुरक्षित रखने वाला प्रहरी भी था। उसकी विशेषता यह थी कि वह खोता नहीं था, वह भटकता नहीं था। उसका पंजीकरण उसकी सुरक्षा थी, और उसकी प्राप्ति की पावती एक तरह का भावनात्मक संतोष।

एक समय था जब डाकिया केवल संदेशवाहक नहीं, बल्कि घर का परिचित चेहरा होता था। उसकी आवाज़, उसकी साइकिल की घंटी और उसकी झोली में छिपे लिफ़ाफ़ों का इंतज़ार हर किसी को रहता था। कोई सरकारी पत्र हो, किसी मामा जी की मनी ऑर्डर, किसी दूर बैठे बेटे का समाचार – सब कुछ रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से पहुँचता था। और जब पत्र मिलता, तो उसे खोलने से पहले उसे छूकर महसूस किया जाता था – उसके कागज़ की मोटाई, उसके रंग की गहराई और उस पर लगी स्याही की गंध – सबमें अपनापन होता था।

लेकिन अब समय बदल चुका है। तकनीकी प्रगति ने हमारे संवाद के तरीक़ों को पूरी तरह से बदल दिया है। आज मोबाइल फ़ोन, त्वरित संदेश सेवाएँ, सामाजिक माध्यम, और अंतर्जाल ने पारंपरिक पत्र-व्यवस्था को लगभग समाप्त ही कर दिया है। अब किसी को इंतज़ार नहीं रहता, सब कुछ पल में भेजा और पल में प्राप्त किया जाता है। ऐसे समय में भारत डाक द्वारा रजिस्टर्ड डाक को औपचारिक रूप से बंद करने और उसे स्पीड डाक में समाहित करने का निर्णय, समयानुकूल और आवश्यक तो है, परंतु भावनात्मक रूप से पीड़ादायक भी।

स्पीड डाक, निस्संदेह आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप एक बेहतर सेवा है। इसमें गति है, निगरानी है, तकनीकी दक्षता है। परन्तु उसमें वह आत्मीयता नहीं है जो रजिस्टर्ड डाक में थी। वह अपनापन, वह धीमा मगर विश्वसनीय संवाद, वह सादगी – अब इतिहास बन जाएगी।

रजिस्टर्ड डाक का अंत केवल एक सेवा का अंत नहीं है, यह एक युग का अंत है। वह युग जिसमें शब्दों को सहेजा जाता था, जिसमें उत्तर पाने के लिए दिन नहीं, सप्ताहों की प्रतीक्षा की जाती थी। जब एक उत्तर में प्रेम, सम्मान और भावनाओं की परतें होती थीं। आज हम भले ही एक क्लिक में संवाद कर सकते हैं, लेकिन उस संवाद में स्थायित्व और गहराई का अभाव है। हम संदेश तो भेजते हैं, पर भावनाएँ नहीं। हम पढ़ते तो हैं, पर समझते नहीं। रजिस्टर्ड डाक उस युग की अंतिम निशानी थी, जहाँ संवाद सिर्फ़ बात नहीं, एक भावना होता था।

हमारे पुराने संदूक़ों में आज भी ऐसी चिट्ठियाँ मिलती हैं – पीले पड़े कागज़, स्याही से भरे अक्षर, किनारों पर समय की छाप और भीतर वह सब कुछ जो किसी समय अनमोल था। वे चिट्ठियाँ अब केवल स्मृति हैं, किंतु रजिस्टर्ड डाक ने उन्हें आज तक सुरक्षित पहुँचाया। यह उसकी सबसे बड़ी सफलता है – कि उसने शब्दों को अमर बना दिया।

इस सेवा के बंद होने से एक भावात्मक सूत्र टूटेगा। यह वह सेवा थी, जिसने दूरी को भी एक बंधन बना दिया था। जिसने माँ के आँचल से बेटे तक, प्रेमिका की आँखों से प्रेमी तक, शिक्षक की सीख से छात्र तक – सबको जोड़ रखा था। अब स्पीड डाक आएगी – तेज़, सुविधाजनक, आधुनिक। परंतु उसमें वह ठहराव नहीं होगा, वह धैर्य नहीं होगा, वह प्रतीक्षा नहीं होगी जो रजिस्टर्ड डाक को विशेष बनाती थी।

आज हम तकनीकी दृष्टि से जितने सक्षम हुए हैं, उतने ही भावनात्मक रूप से खोखले भी हो गए हैं। संवाद तो अब भी होते हैं, पर उनमें आत्मा नहीं होती। रजिस्टर्ड डाक केवल चिट्ठी नहीं थी, वह आत्मा का दस्तावेज़ थी। अब जब वह विदा ले रही है, तो यह केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं है – यह हमारी सांस्कृतिक विरासत का एक पृष्ठ बंद होना है।

रजिस्टर्ड डाक, तुमने केवल पत्र नहीं पहुँचाए, तुमने रिश्ते पहुँचाए। तुमने हमें जोड़ना सिखाया – शब्दों से, भावनाओं से, प्रतीक्षा से, और विश्वास से। तुम भले ही अब औपचारिक रूप से बंद हो जाओ, परंतु हमारी यादों में, हमारे पुराने संदूक़ों में, हमारे दिलों में तुम सदा जीवित रहोगी।

आज जब हम तुम्हें विदाई दे रहे हैं, तो यह विदाई नहीं, एक प्रणाम है – उस युग को, उस सादगी को, उस धैर्य को, उस अपनापन को, जिसे तुमने वर्षों तक अपने कंधों पर ढोया। अब भले ही डाकघर बदल जाएँ, डाकिए डिजिटल हो जाएँ, पत्र इतिहास बन जाएँ – परंतु तुम, रजिस्टर्ड डाक, हमारे लिए सदा अमर रहोगी।

देवी अहिल्याबाई होलकर: लोकमाता का जीवन और योगदान

देवी अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के चौंडी नामक छोटे से गाँव में हुआ। उनके पिता श्री मनकोजी राव शिंदे गांव के पाटिल थे,और माता श्रीमती सुशीलाबाई एक धार्मिक और साधारण महिला थीं, उनका परिवार मध्यमवर्गीय था। अहिल्याबाई का बचपन सादगी और धर्म के वातावरण में बीता। बचपन से ही वे भगवान शिव की भक्त होने के साथ गंभीर स्वभाव व दूरदर्शी सोच रखती थीं। उनकी आध्यात्मिकता तथा बुद्धिमत्ता कम उम्र में ही स्पष्ट थी। एक बार मराठा पेशवा बाजीराव प्रथम की सेना के सेनापति व मालवा के शासक श्रीमंत मल्हारराव होलकर पुणे जाते समय चौंडी गाँव में रुके। वहाँ एक मंदिर में भजन गाती और सेवा करती हुई बालवस्था में अहिल्याबाई को देखकर वे उनकी भक्ति,मधुर आवाज तथा आध्यात्मिकता से प्रभावित हुए। मल्हारराव ने उनकी प्रतिभा को तुरंत पहचान लिया और उन्हें अपने पुत्र खांडेराव होलकर की पत्नी के रूप में चुन लिया।

पुण्यतिथि पर विशेष

अमित राव पवार

लेखक साहित्यकार हैं।

18वीं शताब्दी में मालवा साम्राज्य का कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया। एक साधारण गाँव की लड़की से होलकर राजवंश की बहू और फिर मालवा की (मराठा साम्राज्य का एक हिस्सा) शासिका बनने तक की उनकी यात्रा साहस,धर्म और समर्पण से परिपूर्ण है। अपने न्यायपूर्ण शासन,धार्मिक कार्यों और स्त्री सशक्तिकरण के उदाहरण के लिए वह 'लोकमाता' के नाम से प्रसिद्ध हुईं। भगवान शिव की परम भक्त अहिल्याबाई ने मंदिरों के जीर्णोद्धार,शिक्षा और व्यापार को बढ़ावा देकर पूरे भारत में उनके जीवन,शासन व योगदान ने एक अमिट छाप छोड़ी।

देवी अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के चौंडी नामक छोटे से गाँव में हुआ। उनके पिता श्री मनकोजी राव शिंदे गांव के पाटिल थे,और माता श्रीमती सुशीलाबाई एक धार्मिक और साधारण महिला थीं,उनका परिवार मध्यमवर्गीय था। अहिल्याबाई का बचपन सादगी और धर्म के वातावरण में बीता। बचपन से ही वे भगवान शिव की भक्त होने के साथ गंभीर स्वभाव व दूरदर्शी सोच रखती थीं। उनकी आध्यात्मिकता तथा बुद्धिमत्ता कम उम्र में ही स्पष्ट थी। एक बार मराठा पेशवा बाजीराव प्रथम की सेना के सेनापति व मालवा के शासक श्रीमंत मल्हारराव होलकर पुणे जाते समय चौंडी गाँव में रुके। वहाँ एक मंदिर में भजन गाती और सेवा करती हुई बालवस्था में अहिल्याबाई को देखकर वे उनकी भक्ति,मधुर आवाज तथा आध्यात्मिकता से प्रभावित हुए। मल्हारराव ने उनकी प्रतिभा को तुरंत पहचान लिया और उन्हें अपने पुत्र खांडेराव होलकर की पत्नी के रूप में चुन लिया। यह संयोग निश्चित रूप से भगवान शिव की कृपा से ही संभव हुआ। मल्हारराव की यह दूरदर्शिता प्रशंसनीय थी कि उन्होंने इतनी कम उम्र में अहिल्याबाई की क्षमता को समझ लिया और मालवा का भविष्य उनके हाथों में सुरक्षित देखा।

मालवा और भारत पर प्रभाव

18वीं शताब्दी में भारत एक जटिल दौर से गुजर रहा था। मुगल साम्राज्य का पतन हो रहा था,मराठा साम्राज्य अपनी शक्ति के चरम पर था,और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी भारत में अपने पाँव जमा रही थी। 1761 में पानीपत का तीसरा युद्ध,जिसमें मराठाओं को पराजय का सामना करना पड़ा,ने उनकी शक्ति को कमजोर किया। इन चुनौतियों के बावजूद,अहिल्याबाई ने मालवा को समृद्ध और स्थिर बनाए रखा। उन्होंने बाहरी युद्धों के बजाय आंतरिक विकास पर ध्यान केंद्रित किया,जिससे उनके राज्य में शांति और समृद्धि बनी रही। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि थी उनकी व्यापक दृष्टि। उन्होंने कभी यह नहीं सोचा कि केवल मालवा का विकास करना है। उन्होंने अपने संसाधनों का उपयोग पूरे भारत में धार्मिक और सामाजिक कार्यों के लिए किया। वाराणसी में गंगा नदी के किनारे घाट,हरिद्वार में हर की पौड़ी के पास ढाँचे,मथुरा और वृंदावन में मंदिर और धर्मशालाएँ और दक्षिण भारत में रामेश्वरम में निर्माण कार्य उनके योगदान के उदाहरण हैं।

अहिल्याबाई होलकर का जीवन व कार्य स्त्री सशक्तिकरण का एक जीवंत उदाहरण हैं। उस समय,जब महिलाएँ घरों तक सीमित थीं और उनके लिए शासन करना असंभव माना जाता था, उन्होंने न केवल मालवा का नेतृत्व किया,बल्कि पूरे भारत में अपनी छाप छोड़ी। उनकी सफलता ने महिलाओं को यह संदेश दिया कि वे हर परिस्थिति में अपनी क्षमता से नेतृत्व कर सकती हैं। उन्होंने आने वाली पीढ़ियों, विशेष रूप से महिलाओं को प्रेरित किया कि वे घर से निकलकर लोककल्याण के लिए कार्य कर सकती हैं।

माँ अहिल्याबाई होल्कर के शासनकाल (1767-1795) के पूर्व,दौरान और बाद में विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक कारकों से प्रभावित थी।

देवी अहिल्याबाई के शासन से पहले- मालवा में 18वीं शताब्दी के प्रारंभ में मराठा शासन के अधीन व्यापारिक गतिविधियाँ मुख्य रूप से स्थानीय बाजारों और लंबी दूरी के व्यापारिक मार्गों पर निर्भर थीं। मालवा के व्यापारिक मार्ग,जैसे कि उत्तर भारत को दक्षिण और पश्चिमी तटों से जोड़ने वाले रास्ते,सूती वस्त्र,अनाज,और मसालों के व्यापार के लिए महत्वपूर्ण थे। हालांकि,मराठा सामंतों के बीच आंतरिक संघर्ष और मुगल शासन की कमजोरी के कारण व्यापारिक व्यवस्था में अस्थिरता थी। कर संग्रहण में अनियमितता और लूटपाट की घटनाओं ने व्यापारियों को प्रभावित किया।

देवी अहिल्याबाई के शासनकाल में

अहिल्याबाई के शासन में मालवा की व्यवसाय व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ। उनकी नीतियों ने व्यापार और कृषि को बढ़ावा दिया। उन्होंने कर प्रणाली को सुव्यवस्थित किया,व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित की,और बाजारों को प्रोत्साहित करने के लिए मेलों और धार्मिक आयोजनों को बढ़ावा दिया। इंदौर, उज्जैन और महेश्वर जैसे शहर व्यापारिक केंद्र के रूप में उभरे,जहाँ कपड़ा,धातु कार्य,और हस्तशिल्प का उत्पादन और व्यापार फला-फूला। उनकी धर्मनिष्ठा और न्यायप्रिय शासन ने व्यापारियों में विश्वास जगाया,जिससे मालवा एक समृद्ध व्यापारिक क्षेत्र बन गया।

देवी अहिल्याबाई के बाद

अहिल्याबाई के निधन 13 अगस्त 1795 के बाद, होल्कर वंश में उत्तराधिकार के विवाद और ब्रिटिश प्रभाव के बढ़ने से मालवा की व्यवसाय व्यवस्था प्रभावित हुई। 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने मालवा में महालवाड़ी व्यवस्था लागू की,जिसके तहत भूमि राजस्व की वसूली कठोर हो गई। इससे किसानों और स्थानीय व्यापारियों पर दबाव बढ़ा। हालांकि,मालवा के व्यापारिक मार्ग अभी भी महत्वपूर्ण रहे,लेकिन ब्रिटिश नीतियों ने स्थानीय उद्योगों,विशेष रूप से हस्तशिल्प और कपड़ा उद्योग, को नुकसान पहुँचाया।

देवी अहिल्याबाई होलकर का जीवन साहस,धर्म,और समर्पण का प्रतीक है। एक साधारण गाँव की लड़की से भारत के एक प्रतिष्ठित राजवंश की शासिका बनने तक की उनकी यात्रा असाधारण है। उन्होंने अपने शासनकाल में न केवल मालवा को समृद्ध बनाया,बल्कि पूरे भारत में धार्मिक,सांस्कृतिक,और सामाजिक विकास में योगदान दिया। उनकी न्यायप्रियता,आध्यात्मिकता और नेतृत्व क्षमता ने उन्हें 'लोकमाता' की उपाधि दिलाई।आज भी महेश्वर और माहेश्वरी साड़ियाँ उनकी विरासत को जीवित रखती हैं। अहिल्याबाई का जीवन हमें सिखाता है कि दृढ़ संकल्प और सही मार्गदर्शन के साथ कोई भी असंभव को संभव बना सकता है। मालवा की व्यवसाय व्यवस्था अहिल्याबाई के शासनकाल में अपने चरम पर थी,क्योंकि उनकी सुशासन और व्यापार-अनुकूल नीतियों ने आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा दिया। उनके पहले और बाद में,राजनीतिक अस्थिरता और ब्रिटिश हस्तक्षेप ने इस व्यवस्था को कमजोर किया।

सरदारपुर को मिली विकास और स्वास्थ्य सेवाओं की सौगात

प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने किया 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल का लोकार्पण

18 ग्राम पंचायत भवनों का भूमि पूजन

धार। सरदारपुर आज विकास के नए अध्याय का साक्षी बना, जब प्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल का लोकार्पण करते हुए क्षेत्र को स्वास्थ्य सुविधाओं की बड़ी सौगात दी। लोकार्पण समारोह में मंत्री ने कहा कि अस्पताल की हर जरूरत को प्राथमिकता से पूरा किया जाएगा और किसी भी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं में कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने ऑनरेरी सेवा देने वाले डॉक्टरों से अस्पताल में जुड़कर जनसेवा का आग्रह किया और कलेक्टर प्रियंक मिश्रा को आवश्यकतानुसार तकनीशियन नियुक्त करने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य सेवाओं में सख्ती, पारदर्शिता और विस्तार का वादा : मंत्री ने अस्पताल के डॉक्टरों को चेतावनी दी कि वे बाज़ार की दवाएं न लिखें। अस्पताल में निशुल्क दवा प्रदाय के लिए पर्याप्त भंडार उपलब्ध है, और यदि किसी दवा की कमी हो तो अस्पताल प्रशासन सीधे कलेक्टर से संपर्क करे। उन्होंने कहा कि नागरिक सुविधाएं जुटाने में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी और जरूरत पड़ने पर एक और अस्पताल भी बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री आयुष्मान कार्ड योजना को जनहितकारी बताते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी गरीब इलाज से वंचित न रहे। लोगों से इस योजना की जानकारी अधिक से अधिक फैलाने का आह्वान किया।

विकास कार्यों का सुनहरा अध्याय

मंत्री विजयवर्गीय ने बताया कि खरमोर अभयारण्य में अधिग्रहित 14 गांवों की भूमि अब किसानों को मालिकाना हक के साथ वापस मिल गई है। साथ ही क्षेत्र को 200 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली सड़कों की भी सौगात दी गई। उन्होंने हरियाली को समय की जरूरत बताया और प्रेरित किया कि हर व्यक्ति हर साल अपनी मां के नाम एक पेड़ अवश्य लगाए।महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का सपना है कि हर बहन लखपति बहनाओं की सूची में शामिल हो, और सरकार ने इसके लिए कई योजनाएं लागू की हैं।

18 ग्राम पंचायत भवनों का भूमि पूजन : प्रभारी मंत्री ने जनपद पंचायत सरदारपुर में 18 नवीन ग्राम पंचायत भवनों (अटल सेवा सदन) का भूमि पूजन किया। प्रत्येक भवन पर 37.50 लाख रुपये की लागत आएगी, जो ग्रामीण प्रशासन और सेवा वितरण को सुदृढ़ करेगा।

कार्यक्रम की शुरुआत कन्या पूजन और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। मंच से जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा, सरदारपुर विधायक प्रताप ग्रेवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती, ग्रामीण जिला अध्यक्ष चंचल पाटीदार और पूर्व विधायक वेलसिंह भूरिया ने भी क्षेत्रवासियों को संबोधित किया। अंत में, मंत्री ने उपस्थित जनसमुदाय को स्वच्छता और जल संरक्षण का संकल्प दिलाया और कार्यक्रम के बाद उत्साहपूर्वक तिरंगा यात्रा में भी शामिल हुए। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, एसपी मनोज कुमार सिंह,सीईओ अभिषेक चौधरी भी उपस्थित थे।

विक्रम वि. वि. उज्जैन का नाम सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय करने पर मुख्यमंत्री का धन्यवाद : सचिन दवे

2021 में सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के नाम का प्रस्ताव पारित किया गया था जिस पर 2025 में लगी मुहर

धार। प्रदेश के प्राचीनतम विश्वविद्यालय विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का नाम सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के नाम से संशोधित होने के लिए मध्यप्रदेश विधानसभा से मंजूरी मिली है। इस विशिष्ट उपलब्धि पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को बधाई देते हुए विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन की कार्यपरिषद के सदस्य सचिन दवे ने इस पहल के लिए धन्यवाद दिया है। गौरतलब है कि विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन की कार्यपरिषद द्वारा 14 जनवरी 2021 को कुलपति को विश्वविद्यालय का नाम सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय करने का अनुरोध पत्र दिया गया एवं विश्वविद्यालय की कार्य परिषद ने 22 जनवरी 2021 को आयोजित बैठक में यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया था। तत्पश्चात विश्वविद्यालय द्वारा प्रमुख सचिव,उच्च शिक्षा, मध्य प्रदेश शासन को मार्च 2021 को कार्रवाई हेतु पत्र प्रेषित किया गया था जिसका उज्जैन के स्थानीय समाचार पत्रों में भी उल्लेख हुआ था। विगत दिनों विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने विश्वविविद्यालय का नाम सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के नामकरण करने की सार्वजनिक घोषणा की थी, जिसे 5 अगस्त 2025 को विधानसभा में पारित किया गया है। इस विशेष अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों एवं विशेष रूप से उज्जैन संभाग के नागरिकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम से आज निकलेगी विशाल तिरंगा यात्रा

नगर पालिका में आयोजित बैठक में बनाई तिरंगा यात्रा की रूपरेखा

पुलिस बैंड रहेगा मुख्य आकर्षण का केंद्र, राष्ट्रगान और देशभक्ति की धुन गूंजेगी

बैतूल। 79 वा स्वाधीनता दिवस के पूर्व आज बैतूल शहर में विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन को लेकर नगर पालिका के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई, जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षद, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, समस्त शाखा प्रभारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी, आईटीआई व पॉलिटेक्निक के प्रतिनिधि, जेएच कॉलेज एवं गर्ल्स कॉलेज के प्रभारी मौजूद रहे। बैठक में रैली को शांतिपूर्ण और प्रभावशाली तरीके से सम्पन्न कराने के लिए अंतिम रूप से मार्ग, सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि तिरंगा यात्रा आज 13 अगस्त को सुबह 9:30 बजे लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम से प्रारंभ होकर शिवाजी चौक, एसपी ऑफिस चौक, तांगा स्टैंड गंज, दिलबहार चौक, कांतिशिवा चौक, मैकेनिक चौक, नेहरू पार्क, कारगिल चौक, अंबेडकर चौक, पहलवान बाबा दरगाह होते हुए लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में समाप्त होगी। रैली के साथ पुलिस बैंड रहेगा जो राष्ट्रगान और देशभक्ति की धुनों से यात्रा को प्रभावी बनाएगा। नगर पालिका ने मार्ग पर सुरक्षा, ट्रैफिक नियंत्रण तथा प्राथमिक चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने सभी स्कूल-कॉलेज, सामाजिक संस्थाओं, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और नागरिकों से अधिकाधिक संख्या में भागीदारी करने का अनुरोध किया है ताकि यात्रा देशभक्ति के साथ संपन्न हो सके। नगर पालिका ने रैली के रूट का नक्शा भी जारी कर दिया है और नागरिकों से कहा गया है कि वे निर्धारित मार्ग और समय का सम्मान करते हुए सहयोग दें।

अंबेडकर कालेज में निकाली तिरंगा यात्रा

बैतूल। बीआर अंबेडकर शिक्षा महाविद्यालय बैतूल में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा यात्रा निकाली गई। महाविद्यालय से चक्कर रोड तक रैली निकाल कर हर घर तिरंगा लगाने के लिए लोगों को जागरूक किया। तिरंगा यात्रा में बडी संख्या में बी.एड स्कालर्स एवं संचालक महोदय सहित महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

लोकमाता अहिल्याबाई: शौर्य, सेवा और संकल्प की सजीव गाथा

- नाटक लोकमाता अहिल्याबाई - जीवन, अवदान और वैभव का गान का हुआ मंचन

धार। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जन्म जयंती वर्ष के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग और जिला प्रशासन धार के संयुक्त तत्वावधान में 11 अगस्त सोमवार को महाराजा भोज स्नातकोत्तर महाविद्यालय के विक्रम सभागार में नाटक लोकमाता अहिल्याबाई - जीवन, अवदान और वैभव का गान का भव्य मंचन हुआ।

शुभारंभ दीप प्रज्जवलन एवं कलाकारों के स्वागत से हुआ। इस दौरान इंदौर संभाग प्रभारी, भाजपा राघवेंद्र गौतम, भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती एवं नाटक निर्देशक रंजना चितले उपस्थित रहीं। नाटक की अद्वितीय प्रस्तुति ने न केवल दर्शकों को इतिहास के स्वर्णिम पन्नों से रूबरू कराया, बल्कि उन्हें साहस, सेवा और संकल्प की प्रेरणा भी दी। वरिष्ठ लेखिका रंजना चितले द्वारा लिखित, परिकल्पित और निर्देशित इस नाटक ने अहिल्याबाई के जीवन वृतांत को सजीव रूप में प्रस्तुत किया। नाटक में उनके शौर्य, पराक्रम, अटूट संकल्प, समाज निर्माण के आदर्शों और जनकल्याणकारी कार्यों को बड़े प्रभावी ढंग से मंच पर प्रस्तुत किया।

40 कलाकारों का दल मंच पर एकजुट -नाटक में रचनात्मक सहयोग तानाजी राव का रहा, जबकि संगीत संयोजन श्रुति धर्मेश ने किया। प्रकाश परिकल्पना की जिम्मेदारी राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित, संगीत नाटक अकादमी से सम्मानित कमल जैन द्वारा की गई। 90 मिनट की इस प्रस्तुति में लगभग 40 कलाकारों ने अभिनय कौशल दिखाया।

पोवाड़ा गायन शैली का किया प्रयोग -नाटक की विशेषता रही कि इसमें महाराष्ट्र की पोवाड़ा गायन शैली का प्रयोग किया गया। इस शैली को प्राचीन समय में युद्ध, पराक्रम और वीरता के प्रसंगों को गाने के लिए प्रयोग किया जाता था। पोवाड़ा के लयबद्ध उच्चारण, ढोलक की थाप और स्वर-संगति ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

वरिष्ठ नागरिक को सायबर ठगी से पुलिस ने बचाया

बैतूल। गंज क्षेत्र में एक वरिष्ठ नागरिक के साथ होने वाले बड़े साइबर फॉड के प्रयास को थाना कोतवाली और साइबर सेल बैतूल ने त्वरित कार्रवाई और सजगता से विफल कर दिया। वरिष्ठ नागरिक अशोक कुमार जैन उम्र 70 वर्ष के मोबाइल पर फर्जी बैंक एप इंस्टॉल करवाने और ओटीपी प्राप्त करने की कोशिश की जा रही थी। खतरे को भांपते ही श्री जैन ने तुरंत पुलिस से संपर्क किया। सूचना मिलते ही थाना कोतवाली प्रभारी रविकांत डेहरिया अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और साइबर सेल बैतूल से दीपेन्द्र सिंह ने तत्काल तकनीकी सहायता प्रदान की। पुलिस टीम ने न केवल फर्जी एप हटवाया बल्कि श्री जैन को साइबर सुरक्षा और जागरूकता संबंधी आवश्यक जानकारी भी दी। पुलिस की फुर्ती और प्रोफेशनलिज्म के कारण किसी भी प्रकार की आर्थिक हानि नहीं हुई। पुलिस विभाग ने अनजान लिंक, ई-मेल या फाइल पर क्लिक न करें। ओटीपी, पासवर्ड या बैंक जानकारी किसी से साझा न करें। संदिग्ध गतिविधि की तुरंत थाना या साइबर सेल को सूचना दें। पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल एन. झारिया ने थाना कोतवाली टीम व साइबर सेल के इस साहसिक, समयबद्ध और संवेदनशील कार्य की सराहना की है और नागरिकों से साइबर अपराध के प्रति सतर्क रहने की अपील की है।

जनपद स्तर पर सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाली 20 पंचायत को किया सम्मानित

पीएआई 1.0 पंचायत उन्नति सूचकांक का किया विमोचन

बैतूल। पंचायत राज प्रशिक्षण केंद्र मुलताई के तत्वावधान में जनपद पंचायत बैतूल के सभाकक्ष में 20 ग्राम पंचायत का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान पंचायत उन्नति सूचकांक का विमोचन एवं शीर्ष 20 ग्राम पंचायत को प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत उपाध्यक्ष कृष्णा लोखण्डे, जनपद पंचायत सदस्य मुकुंदराव धोटे, पिंटु काकोड़िया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बैतूल सुश्री शिवानी राय एवं जिला पंचायत से राष्ट्रीय ग्राम स्वराज्य अभियान के डीपीएम संदीप कुमार परिहार, जिला समन्वयक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सुश्री शिवानी राय द्वारा कहा गया कि आगे ग्राम पंचायतें 2.0 में अच्छा और बेहतर प्रयास करेंगी और श्रेष्ठ स्कोर अर्जित करेंगी। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान डीपीएम ने बताया कि पीएआई 1.0 वित्तीय वर्ष 2022- 23 के लिए लागू किया गया है। 9 अप्रैल 2025 को पीएआई 1.0 के तहत पंचायत को प्राप्त स्कोर रिलीज हुआ है। देश के सभी पंचायत का रिपोर्ट कार्ड विषयगत और समग्र स्कोर पीएआई पोर्टल पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है। इसी के आधार पर एलएसडीजी थीम 9 में सर्वश्रेष्ठ स्कोर करने वाली पंचायत को सम्मानित किया गया है। बैतूल जनपद की सर्वश्रेष्ठ प्रथम पंचायत बघोली है, जिसने जिला स्तर पर भी 8वां स्थान प्राप्त कर 2100 की पुरस्कार राशि प्राप्त की है।

सांदीपनि और मॉडल स्कूल के 116 विद्यार्थियों को विधायक ने वितरित की साइकिल

घर-घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत चित्रकला, रंगोली प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बैतूल। नगर घोड़ाडोंगरी के सांदीपनि विद्यालय और मॉडल स्कूल के 116 विद्यार्थियों को सोमवार विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उईके एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में साइकिलो का वितरण किया गया। सर्वप्रथम सांदीपनि विद्यालय की एनसीसी की छात्राओं द्वारा विधायक को गेट से मार्चपास्ट करते हुए मंच तक लाकर सलामी दी गई। प्राचार्य विवेक तिवारी ने बताया कि सांदीपनि विद्यालय की एनसीसी छात्राओं द्वारा ट्रेनिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिन्हें गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रशस्ति पत्र भेजा है, सभी एनसीसी की छात्राओं को विधायक श्रीमती गंगासज्जन सिंह उईके एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उईके ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी एवं प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में लगातार अच्छा कार्य हो रहा है विद्यालय में लम्बी दूरी तय करके आने वाले छात्र-छात्राओं को परेशानियों का सामना न करना पड़े उन्हें आज शासन की योजना के तहत साइकिल वितरण किया जा रहा है। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को अच्छी शिक्षा गृहण कर अपने परिवार, जिला और प्रदेश का नाम रोशन करने की अपील की। विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उईके द्वारा घर-घर तिरंगा अभियान अंतर्गत सांदीपनि विद्यालय में आयोजित चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता को भी देखा एवं छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों की सराहना की। सभा को संबोधित करते हुए भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र मालवीय ने कहा कि भाजपा सरकार में केंद्र और राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में बहुआयामी विकास कर रही है छात्रों को अब पढने पर ध्यान देना है उनकी पढ़ाई की चिंता सरकार कर रही है।आप सभी भाग्यशाली हो जिन्हें शासन की हर सुविधा का लाभ प्राप्त हो रहा है। भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश महतो ने अपने संबोधन में शासन से मिलने वाली साइकिल, गणवेश, छात्रवृत्ति एवंअन्य योजना का विद्यार्थियों को अधिक से अधिक लाभ दिए जाने सहित अच्छी सुविधा पर विद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश महतो, जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र मालवीय, आदिवासी युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दीपक उईके, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष राकेश अरोरा, उर्मिला तिवारी पार्षद, नीतू सोनी, सविता पथारिया श्रीयादव, नंदकिशोर उईके सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, नागरिक एवं अभिभावक सहित सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य विवेक तिवारी, मॉडल स्कूल से जी.पी.डेहरिया एवं शिक्षक/शिक्षिकाये उपस्थित रही।

नपा ने सड़कों का कराया था चौड़ीकरण, ताकि आ-जा सके वाहन

सडक़ पर वाहनों की पार्किंग से बिगड़ रही यातायात व्यवस्था

बैतूल। नगरपालिका ने शहर में करोड़ों रूपये की लागत से सड़कों का चौड़ीकरण किया। एक जानकारी के अनुसार शहर में करीब 22 किमी लंबाई की सड़कों को चौड़ा किया गया, किनारों पर फुटपाथ भी बनाए। जिसका फायदा पार्किंग के रूप में उठाया जा रहा है। हालात यह है कि दुकानदारों, बड़े मॉल संचालकों के पास पार्किंग व्यवस्था नहीं है। इससे दुकानदार और दुकानों में आने वाले ग्राहक सडक़ों पर वाहनों की पार्किंग कर सड़कों पर कब्जा कर रहे है। घंटो तक यह वाहन सडक़ों पर खड़े रहते है और यातायात में बाधक बनते है। लेकिन नपा अपनी ही बनाई सडक़ों और किए सौंदर्याकरण को भूल गई है। दरअसल गंज से कोठी बाजार को जाने वाली सडक़ के किनारों पर बनाए अधिकांश फुटपाथों पर दुकानदारों का कब्जा है। केवल एसपी ऑफिस चौराहे से बीएसएनल कार्यालय तक ही फुटपाथ स्पष्ट और पहले की तरह हैं। यहां पर बेंचों पर लोग बैठते हैं और पैदल टहलते भी हैं। इसके आगे गंज हाथी नाले तक फुटपाथ पूरे नदारद हो गए हैं। यहां पर दुकान संचालकों का सडक़ पर कब्जा है। शाम के समय तो यहां सडक़ और फुटपाथ पर वाहन खड़े होते हैं। जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

6 साल पहले हटाया गया था अतिक्रमण : विकास नगर से कालापाठा की ओर जाने वाली सडक़ पर भी दोनों ओर सडक़ तक दुकानें बढ़ा दी हैं। खासकर फर्नीचर और लकड़ी के कारोबारियों ने यहां सडक़ को अपना कारोबार चमकाने की जगह बना लिया है। यहां पर नपा ने 6 साल पहले अतिक्रमण हटाने के लिए तोडफ़ोड़ की थी, लेकिन इसके बाद नपा अमला यहां पर नहीं पहुंचा है। जबकि यहां पर सैकड़ों अतिक्रमण पैर पसारे हुए हैं। कई तो बड़ी-बड़ी इमारतें यहां पैर जमाए हुए हैं। गंज और कोठी बाजार पर ही नपा अमले की नजर रहती है, कालापाठा एक ओर होने के कारण इसकी जांच तक नहीं हुई।

डेढ़-डेढ़ मीटर के फुटपाथ बनाए थे :कांतिशिवा चौराहे से मुख्यमंत्री अधोसंरचना योजना के प्रोजेक्ट पर नगरपालिका ने काम शुरू किया था। इस दौरान 22 किमी लंबाई की सडक़ों को चौड़ा किया गया था। सडक़ के बीच में डिवाइडर बनाए थे। इनके दोनों ओर 7.5-7.5 मीटर चौड़ी डामर सडक़ बनाई थी। इन सडक़ों के दोनों ओर डेढ़-डेढ़ मीटर चौड़े फुटपाथ बनाए गए थे। इन फुटपाथ के नीचे अंडरग्राउंड नालियां भी बनाई गई। लेकिन धीरे-धीरे दुकानों का कारोबार सडक़ तक पहुंच गया। जिससे कई बार वाहन चालकों को आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कभी-कभी हालात ऐसे बन जाते है कि ज्यादा ट्रॉफिक होने पर लोगों को वाहन निकालने तक की जगह नहीं मिल पाती है और वाहन चालक परेशान होते रहते है।

फाइल फोटो

बस स्टैंड से लल्ली चौक तक पर भी यहीं हाल -नगरपालिका ने हाल ही में बस स्टैंड से लल्ली चौक तक सडक़ का चौड़ीकरण किया है, ताकि वाहन चालकों को आने-जाने में सुविधा हो सके। नपा ने सडक़ के बीच डिवाइडर भी बनाये है, लेकिन सडक़ के चौड़ीकरण का लाभ आमजनों को नहीं मिल पा रहा है। यहां वाहन चालक डिवाइडर से लगकर वाहन खड़ा कर देते है या दूसरी तरफ दुकानों की ओर वाहन खड़े होते है। जिससे सडक़ की चौड़ाई प्रभावित हो जाती है। साप्ताहिक बाजार वाले दिन तो हालात ऐसे हो जाते है कि वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। दुकानदारों का सामान लेकर आने वाले बड़े वाहन भी दुकानों के सामने खड़े रहते है। जिससे वाहनों को निकलने में भी कठिनाइयां आती है।

इनका कहना है -

यदि सड़क पर कब्जा किया जा रहा है तो इसे हमारे अमले द्वारा हटवाया जायेगा। सड़क पर वाहन खड़े नहीं किये जा सकते है। यातायात अमले की मदद से पहले भी कार्रवाई की गई है और आगे भी की जावेगी।

बृजगोपाल परते, आर. आई.,
नगरपालिका बैतूल

एम्स भोपाल की स्मार्ट यूनिट द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह पर स्तनपान जागरूकता अभियान का आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल में विश्व स्तनपान सप्ताह (1 से 7 अगस्त) के अवसर पर बाल रोग विभाग की स्मार्ट यूनिट द्वारा माताओं के लिए स्तनपान जागरूकता क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस सप्ताह के अंतर्गत समूह काउंसलिंग सत्र और अन्य जागरूकता गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य स्तनपान के महत्व, सही तकनीकों और कार्यरत महिलाओं के लिए इसे बनाए रखने के तरीकों के बारे में जानकारी और जागरूकता बढ़ाना था। क्विज प्रतियोगिता में माताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान स्तनपान से जुड़ी वैज्ञानिक और व्यवहारिक जानकारी भी साझा की गई।

विशेषज्ञों ने बताया कि स्तनपान शिशु के लिए संपूर्ण और सुरक्षित आहार है, जो उनके विकास और रोग-प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है। यह न केवल शिशु को संक्रमण से बचाता है, बल्कि माँ और बच्चे के बीच गहरा भावनात्मक जुड़ाव भी स्थापित करता है। इस वर्ष विश्व स्तनपान सप्ताह की थीम थी। स्तनपान को प्राथमिकता दें- टिकाऊ सहयोगी प्रणालियों का निर्माण करें । इस संदेश के साथ बाल रोग विभाग की विभागाध्यक्ष ने यह भी बताया कि स्तनपान को केवल पारिवारिक जिम्मेदारी न मानकर समाज, स्वास्थ्य संस्थानों, कार्यस्थलों और नीतिगत स्तर पर भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके लिए ऐसी लंबी अवधि की, न्यायसंगत और सुलभ सहायता प्रणालियाँ बनाना आवश्यक है जो स्तनपान कराने वाली महिलाओं को हर स्तर पर सहयोग प्रदान करें। कार्यक्रम की योजना और संचालन में डॉक्टर, नर्सिंग अधिकारी, पोषण विशेषज्ञ और फीडिंग डेमोंस्ट्रेटर की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन को इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक्स और डॉक्टर्स फॉर यू फाउंडेशन के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

नवनियुक्त सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने में पूर्ण समर्पण और निष्ठा से करें कार्य : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रदेश के आकांक्षी एवं उच्च प्राथमिकता वाले जिलों में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) की नियुक्ति से ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाएं और सुदृढ़ होंगी। आमजन को समय से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने नवनियुक्त सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों से कहा है कि वे स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने में पूर्ण समर्पण और निष्ठा से कार्य करें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा एक श्रेष्ठ मानवीय सेवा है, जिसमें प्रत्येक मरीज के जीवन और सुख-समृद्धि से सीधा जुड़ाव होता है। उन्होंने कहा कि आपका कर्तव्य केवल चिकित्सा तक सीमित नहीं, बल्कि रोगी के जीवन में विश्वास, उम्मीद और राहत का संचार करना भी है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों से अपेक्षित है कि अपने दायित्व को सेवा भाव और राष्ट्रहित की भावना से निभायें। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार व उन्हें और बेहतर किए जाने की दिशा में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश द्वारा एक साथ 400 से अधिक सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। ये नियुक्तियां आकांक्षी और उच्च प्राथमिकता वाले जिलों–सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़, डिंडोरी, पन्ना और छतरपुर–में की गई हैं। कुल 415 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सेवाएं देंगे, जिससे ग्रामीण इलाकों में रहने वाली आबादी को अपने निवास स्थान के पास ही प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

समग्र स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की अवधारणा को शामिल किया गया है। इन केंद्रों में गर्भावस्था देखभाल, बाल एवं किशोर स्वास्थ्य, संचारी एवं असंचारी रोग प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य, वृद्धजन स्वास्थ्य देखभाल, मुख, दंत, नेत्र, नाक-कान-गला रोग तथा आपातकालीन चिकित्सा जैसी 12 प्रकार की सेवाएं प्रदान की जाती हैं। यहां 17 प्रकार की पैथोलॉजी जांच और 126 प्रकार की औषधियां निशुल्क उपलब्ध हैं, साथ ही योग-पोषण दिवस जैसे स्वास्थ्यवर्धक कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। प्रदेश में 12,551 आयुष्मान आरोग्य मंदिर क्रियाशील हैं, 90 प्रतिशत से अधिक केंद्रों में यह नियुक्तियां पूर्ण हो गई हैं।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में दो दिवसीय एआई कार्यशाला का भव्य आयोजन

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री मुकेश नायक के नेतृत्व में आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, भोपाल में दो दिवसीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कार्यशाला की शुरुआत हुई। इस कार्यशाला में प्रदेशभर से कांग्रेस के सभी प्रवक्ता, मीडिया विभाग के पदाधिकारी एवं तकनीकी विशेषज्ञ शामिल हुए। यह आयोजन कांग्रेस पार्टी के तकनीकी सशक्तिकरण और आधुनिक डिजिटल युग में प्रभावी संवाद कौशल विकसित करने के उद्देश्य से किया गया।

कार्यशाला के प्रथम दिन प्रवक्ताओं को एआई तकनीक के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि कैसे एआई का उपयोग राजनीतिक संदेशों को जन-जन तक पहुँचाने, तथ्यात्मक जानकारी प्रस्तुत करने, गलत सूचनाओं का खंडन करने और सोशल मीडिया पर प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराने में किया जा सकता है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को एआई आधारित कंटेंट निर्माण, डिजिटल पोस्टर एवं वीडियो तैयार करने, प्रेस विज्ञप्ति लिखने और रियल-टाइम डेटा एनालिसिस के तरीके सिखाए गए।

श्री मुकेश नायक जी ने अपने संबोधन में कहा कि राजनीतिक कार्यकर्ताओं के लिए समय के साथ खुद को अपडेट करना बेहद आवश्यक है। एआई जैसी तकनीक केवल भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान की ज़रूरत है। कांग्रेस पार्टी चाहती है कि उसका हर प्रवक्ता डिजिटल दुनिया में भी उतना ही सक्षम और सशक्त हो, जितना वह मंच पर होता है। कार्यशाला में चर्चा हुई कि आने वाले समय में चुनाव प्रचार, नीति निर्माण, और जनसंपर्क में एआई का उपयोग कैसे गेम-चेंजर साबित हो सकता है। साथ ही प्रतिभागियों को तकनीक का जिम्मेदारीपूर्वक और नैतिक तरीके से इस्तेमाल करने पर विशेष बल दिया गया।

नरेला रक्षाबंधन महोत्सव

दूसरे दिन 18 हजार 546 बहनों ने बांधी मंत्री श्री सारंग को राखी

भोपाल। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग मंगलवार को नरेला विधानसभा के वार्ड 78 एवं 69 में आयोजित नरेला रक्षाबंधन उत्सव में सम्मिलित हुए। विश्व के सबसे बड़े रक्षाबंधन उत्सव के दूसरे दिन 18 हज़ार 546 बहनों ने मंत्री श्री सारंग को रक्षा सूत्र बांधा। इस मौके पर मंत्री श्री सारंग ने बहनों को लव जिहाद और नशे के खिलाफ लड़ाई की शपथ दिलाई। उन्होंने बहनों के लिये गीत भी गाया।

हिन्दू बहन-बेटियों को लव जिहाद और नशे के कुचक्र में नहीं फंसने देंगे

इस अवसर पर मंत्री श्री सारंग ने कहा कि हिन्दू बहन-बेटियों को लव जिहाद और नशे के कुचक्र में नहीं फंसने देंगे। यह केवल सांस्कृतिक संरक्षण ही नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा का संकल्प है। इसके लिये विश्वास विजय वाहिनी के माध्यम से घर-घर जनजागरण किया जायेगा।

यह राजनीतिक नहीं नरेला परिवार का उत्सव

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि हर वर्ष नरेला विधानसभा में डेढ़ लाख से अधिक संख्या में बहनें उन्हें रक्षा-सूत्र बांधकर स्नेह व आशीर्वाद प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि नरेला रक्षाबंधन महोत्सव राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है, यह नरेला परिवार की लाखों बहनों के अटूट विश्वास का बंधन है। बहनों का यह स्नेह ही उन्हें जनसेवा के लिये शक्ति प्रदान करता है। यही नरेला विधानसभा को नरेला परिवार बनाता है।

बहनों के बीच पहुँचकर बंधवाई राखी

20 अगस्त तक चलने वाले रक्षाबंधन महोत्सव के दूसरे दिन भी बहनों ने कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार किया और मंत्री श्री सारंग को राखी बांधी। बुजुर्ग बहनों ने रक्षा-सूत्र बांधकर मंत्री श्री सारंग के सिर पर हाथ रखकर आशीष दिया। मंत्री श्री सारंग ने सभी बहनों को उपहार स्वरूप छाता, महाकाल का चित्र, अभिमंत्रित रुद्राक्ष भेंट एवं गंगा जल भेंट किया।

रहवासियों ने किया भव्य स्वागत

कार्यक्रम में पहुँचने पर क्षेत्रवासियों ने मंत्री श्री सारंग का भव्य स्वागत किया। यहां मंत्री श्री सारंग को बग्गी से मुख्य कार्यक्रम स्थल तक डीजे और ढोल-ताशो के साथ मंच तक ले जाया गया। इस अवसर पर जमकर आतिशबाजी भी की गई। मुख्य कार्यक्रम स्थल आगमन पर बहनों ने मंत्री श्री सारंग पर पुष्पवर्षा कर उनका स्नेहिल स्वागत किया।

संक्षिप्त समाचार

आईटीआई में रोजगार मेला ''युवा संगम'' 14 अगस्त को लगेगा

हरदा (निप्र)। निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिये शासकीय आईटीआई हरदा में एक दिवसीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिस मेले ''युवा संगम'' का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी श्री लक्ष्मण सिंह सिलोटे ने बताया कि यह मेला 14 अगस्त को प्रातः 11 बजे से आयोजित होगा। मेले में विभिन्न कम्पनियों द्वारा तकनीकी एवं गैर तकनीकी क्षेत्र में बेरोजगार युवक युवतियों की भर्ती की जायेगी। इस रोजगार मेले में 5 वी, 8वी, 10वी, 12वी, आईटीआई डिप्लोमा, स्नातक व स्नातकोत्तर उत्तीर्ण 18 से 35 वर्ष तक की आयु के युवा भाग ले सकते है। जिला रोजगार अधिकारी श्री सिलोटे ने बताया कि मेले में भाग लेने के इच्छुक युवा अपने सभी मूल दस्तावेज अंकसूची, निवास प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड व परिचय पत्र की फोटोकॉपी, समग्र आईडी तथा 4 पासपोर्ट साइज फोटो के साथ उपस्थित होकर मेले का लाभ प्राप्त कर सकते है। मेले में भाग लेने के लिये किसी भी प्रकार का मार्ग व्यय देय नहीं होगा।

युवक ने खरपतवार नाशक दवा पी ली, मौत

हरदा (निप्र)। हरदा जिले के छीपाबड़ थाना क्षेत्र के भवरदी मॉल में रहने वाले 22 वर्षीय युवक ने घरेलू विवाद के बाद जहर खाकर खुदकुशी कर ली। परिजन सुबह उसे जिला अस्पताल लेकर आए, जहां कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। रविवार शाम को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। अस्पताल चौकी पुलिस ने बताया मृतक की पहचान राजू पिता शिवलाल उइके (22) निवासी भवरदी मॉल के रूप में हुई। रविवार सुबह करीब 11 बजे उसने गुस्से में आकर चारा मार का सेवन कर लिया था। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे जिला अस्पताल लाए। यहां उपचार के दौरान कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। राजू के जीजा विष्णु काकोडिया ने बताया कि राजू पिता के साथ मिलकर काम करता था। घटना के समय घर में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद उसने यह कदम उठाया।

2 साल से लापता नाबालिग वृंदावन से बरामद, आरोपी को भेजा जेल

भैरूंदा (निप्र)। भैरूंदा पुलिस ने दो साल से लापता नाबालिग लड़की को उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के वृंदावन से बरामद किया। पुलिस ने आरोपी जितेंद्र अहिरवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उस पर पहले से इनाम घोषित था। मामला 8 जनवरी 2023 का है। छतरपुर निवासी एक व्यक्ति ने भैरूंदा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि 7 जनवरी की रात करीब 3 बजे उसकी 16 वर्षीय बेटी बिना बताए घर से चली गई थी। काफी तलाश के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला, तो पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामला गंभीर होने पर पुलिस अधीक्षक दीपक शुक्ला ने कार्रवाई के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनीता रावत और एसडीओपी रोशन जैन के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक घनश्याम दांगी की टीम ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। तकनीकी सहायता भी ली। इसी के आधार पर 6 अगस्त को पुलिस ने वृंदावन से नाबालिग को ढूंढ निकाला। आरोपी की उम्र 26 साल है। वह बहेरिया, सागर का रहने वाला है। बरामदगी के बाद नाबालिग के बयान लिए गए। मेडिकल जांच कराई गई। फिर उसे नित्यसेवा सोसायटी, गांधीनगर, भोपाल में दाखिल कराया गया। बयानों के आधार पर आरोपी को भैरूंदा न्यायालय में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया।

भुजरिया- महिलाओं ने गाए मंगल गीत

बिलकिसगंज (निप्र)। जिले के ग्राम बरखेड़ा देवा में भुजरिया पर्व धूमधाम से मनाया गया। महिलाओं ने सिर पर भुजरिया रखकर टोली निकाली, मंगल गीत गाए, नाच-गान हुआ। ग्रामीणों ने एक-दूसरे को भुजरिया दी। छोटे बच्चों ने बड़ों से आशीर्वाद लिया। सैकड़ों लोग कार्यक्रम देखने पहुंचे। गांव के वरिष्ठ नागरिक, ग्रामीण और महिला शक्ति प्रमुख रूप से मौजूद रही।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत शासकीय महाविद्यालय आठनेर में निकाली तिरंगा रैली

चित्रकला और रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन

बैतूल (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगाअभियान के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय आठनेर में देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए रविवार को विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय से ग्राम बरखेड़ तक भव्य तिरंगा रैली से हुई। रैली में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक और महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं शामिल हुए। प्रतिभागियों ने भारत माता की जय, वंदे मातरमऔर जय हिंदके जोशीले नारे लगाकर पूरे मार्ग में देशभक्ति का वातावरण बना दिया। रैली के पश्चात महाविद्यालय परिसर में चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में कुल 6 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें मुस्कान राठौर बीएससी प्रथम वर्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में 3 प्रतिभागियों ने भागीदारी की। इस प्रतियोगिता में करीना बीएससी प्रथम वर्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत मंगलवार को बैतूल नगर में निकलेगी तिरंगा यात्रा

बैतूल (निप्र)। हर घर तिरंगा अभियान के तहत नगर पालिका परिषद बैतूल द्वारा मंगलवार को नगर पालिका परिसर से भव्य तिरंगा रैली निकाली जाएगी। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सतीश मत्सेनिया ने बताया कि तिरंगा रैली नगर पालिका से प्रारंभ होकर लल्ली चौक, गांधी चौक, थाना चौराहा होते हुए कमानी गेट, श्मशान घाट होते हुए गणेश चौक से कॉलेज चौक, नंदी चौक, दिलबहार चौक, मैकेनिक चौक, पीडब्लूडी चौराहा से कारगिल चौक, अंबेडकर चौराहा, बस स्टैंड होते हुए वापिस नगर पालिका पहुंचेगी, जहां तिरंगा रैली का समापन किया जाएगा। उन्होंने जन मानस से तिरंगा रैली में शामिल होने का अनुरोध किया है।

बेबी कॉन्वेंट स्कूल रायसेन में अनियमित पाठ्यक्रम पढ़ाने पर प्रधानाध्यापक और संचालक को नोटिस जारी

रायसेन (निप्र)। रायसेन स्थित अशासकीय बेबी कॉन्वेंट स्कूल में अनियमित पाठ्यक्रम पढ़ाए जाने पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री डीडी रजक द्वारा अशासकीय बेबी कॉन्वेंट स्कूल के प्रधानाध्यापक तथा संचालक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर तीन दिवस में जबाव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही स्कूल की शिक्षण सामग्री की जांच हेतु समिति भी गठित की गई है। उल्लेखनीय है कि समाचार पत्र में प्रकाशित खबर अनुसार अशासकीय बेबी कॉन्वेंट स्कूल में अनियमित पाठ्यक्रम पढ़ाया जा रहा है। विद्यार्थियों से प्राप्त पट्टी पहाड़ा में छपी हिन्दी वर्णमाला में इस्लाम धर्म के प्रतीक चिन्ह जैसे क से काबा, न से नमाज, ह से हिजाब आदि शब्दों का प्रयोग किया गया है! जबकि मान्यता गाईडलाईन के मुताबिक स्कूल में धर्म विशेष के प्रतीक चिन्हों वाली पाठ्यक्रम सामग्री नहीं पढ़ाई जा सकती है। आरटीई मान्यता नियमों का उल्लंघन किए जाने के फलस्वरूप अशासकीय बेबी कॉन्वेंट स्कूल रायसेन को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है कि क्यों ना विद्यालय के विरूद्ध मान्यता समाप्ती की कार्यवाही प्रस्तावित की जाए। इस संबंध में अशासकीय बेबी कॉन्वेंट स्कूल के प्रधानाध्यापक/संचालक को अपना प्रतिवाद सप्रमाण 03 दिवस में जिला शिक्षा अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रतिवाद समाधानकारक नहीं पाए जाने अथवा निर्धारित समय पर प्रस्तुत नहीं किए जाने पर अशासकीय बेबी कॉन्वेंट स्कूल के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष से वीसी में शामिल हुए कलेक्टर-एसपी सहित अन्य अधिकारी

हर घर तिरंगा अभियान की गतिविधियों की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

सीहोर (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता अभियान के संबंध में विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित कर अभियान की गतिविधियों की समीक्षा की। सीहोर कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष से कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला सहित संबंधित अधिकारी वीसी में शामिल हुए। वीसी के पश्चात कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने हर तिरंगा अभियान के आयोजन के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि जनप्रतिनिधियों तथा अधिक से अधिक गणमान्य नागरिकों को इस अभियान से जोड़ा जाए। कलेक्टर श्री बालागुरु के. के निर्देशानुसार जिले में प्रत्येक अनुभाग स्तरीय पर्यटन एवं पुरातत्व संबंधी साइट्स पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के तहत 13 अगस्त को तिरंगा यात्रा का आयोजन तथा 14 अगस्त को मैराथन का आयोजन किया जाएगा।

भजन-कीर्तन करते हुए अजनाल के पेड़ीघाट पहुंचीं महिलाएं

हरदा में पारंपरिक गीतों के साथ पूजन कर नदी में किया ज्वारों का विसर्जन

हरदा(निप्र)। हरदा में रविवार शाम को भुजरिया उत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। शहर के विभिन्न मोहल्लों से श्रद्धालुओं की टोलियां भजन-कीर्तन करते हुए अजनाल नदी के पेड़ी घाट पहुंचीं। महिलाओं ने पारंपरिक गीतों के साथ पूजन करने के बाद ज्वारों का विसर्जन किया।

होमगार्ड, पुलिस और नगर पालिका द्वारा नदी किनारे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। शाम होते ही अलग-अलग टोलियों में महिलाएं अजनाल नदी के पेड़ी घाट पहुंचकर भुजरियों का विसर्जन करने लगीं। प्रजापति समाज की महिलाएं बाजे-गाजे और पारंपरिक गीतों के साथ विसर्जन के लिए पहुंचीं। लोगों ने मंदिरों में भगवान को भुजरिया चढ़ाने के बाद एक-दूसरे को भुजरिया देकर बधाई दी। साथ ही बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया गया।

ग्रामीण किसानों का आज भी परंपराओं पर विश्वास

ग्रामीण किसानों का आज भी परंपराओं पर विश्वास है। आधुनिक कृषि तकनीक आने के बावजूद, वे भुजरिया पर्व पर बोई जाने वाली भुजरियों के आकार से खरीफ फसल की पैदावार का अनुमान लगाते हैं। सावन मास की नवमी तिथि को बोई गई भुजरियों की रंगत से गेहूं की पैदावार का अंदाजा लगाया जाता है। पीपल्या, मगरधा, बालागांव, रहटगांव, फुलडी और पानतलाई में भी भुजरिया पर्व धूमधाम से मनाया गया। ग्रामीणों ने पूर्व जनपद सदस्य रामभरोस पटेल के निवास पर भुजरिया की टोकनियों को एकत्रित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने सिर पर भुजरियों की टोकनियां रखकर भजन गाते हुए गांव के मुख्य मार्गों से शोभायात्रा निकाली। पुरुषों ने परंपरा अनुसार ढोलक-मजीरों की थाप पर भजन गाते हुए डंडे लड़ाए। घोघई नदी पर भुजरिया की पूजा कर विसर्जन किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने एक-दूसरे को गले मिलकर भुजरिया दी।

लुटेरों ने जबलपुर में बैंककर्मियों से बैग में सोना भरवाया था

मैनेजर से बोले- डकैती पड़ रही है, किसी ने शोर मचाया तो गोली मार दूंगा

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर जिले में संभवतः पहली बार दिनदहाड़े लूट की इतनी बड़ी वारदात हुई है। खितौला क्षेत्र स्थित इसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक की शाखा में सोमवार सुबह पांच लुटेरे सिर्फ 18 मिनट में लूट हुई। एक लुटेरा मैनेजर के पास पहुंचा और कट्टा दिखाकर बोला, बैंक में डकैती पड़ रही है। किसी ने शोर मचाया तो गोली मार दूंगा।

लुटेरों ने बैग में जेवरात भरे। उन्होंने कट्टा दिखाकर बैंककर्मियों को धमकाया और उनसे भी अपने बैग में सोना भरवाया। आखिर में सभी को बाथरूम में बंद कर दिया। लगभग 14.5 करोड़ रुपए का सोना और 5 लाख रुपए लेकर फरार हो गए।

घटना जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर स्थित सिहोरा के मेन रोड की है। मंगलवार को आईजी प्रमोद वर्मा ने बैंक का डीआईजी, एसपी के साथ निरीक्षण किया। आईजी सिहोरा से लेकर मंझोली तक गए। इस दौरान जहां-जहां सीसीटीवी कैमरे लगे थे, उन्हें देखा।

पुलिस ने अब तक 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले हैं। जानकारी के मुताबिक लुटेरों की आखिरी लोकेशन सिहोरा से 19 किमी दूर मंझोली तक मिली है। आगे तीन रोड आती हैं। एक रोड बचैया, दूसरी गुबरा होते हुए दमोह और तीसरी रोड कटंगी तरफ जाती है। ऐसे में अब पुलिस की टीम तीनों रोड पर भी लुटेरों को सर्च कर रही है।

2017 में बना था इसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक- इसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक मार्च 2017 में लघु वित्तीय बैंक बना और जनवरी 2018 से इसका संचालन शुरू हुआ। इससे पहले यह एक एनजीओ के रूप में काम करता था। जबलपुर जिले में इस बैंक की कई शाखाएं हैं, जिनमें से एक सिहोरा में है।

घटना वाले दिन सोमवार सुबह 7 बजे, समूह लोन विभाग के कर्मचारी बैंक पहुंचे और लॉगिन करने के बाद चले गए। 7:30 बजे सफाईकर्मी संतराम बर्मन पहुंचा और सफाई कार्य में जुट गया। सवा आठ बजे बैंक मैनेजर अंकित सोनी और डिस्ट्रिक्ट मैनेजर राघवेंद्र पटेल आए और रोजमर्रा के काम में लग गए।

8:57 बजे घुसे लुटेरे, 18 मिनट में बैंक लूट लिया- सुबह 8:57 बजे, तीन बाइकों पर सवार पांच लुटेरे ब्लैक हेलमेट पहनकर बैंक में दाखिल हुए। बैंक के कर्मचारी पहले तो उन्हें आम लोग समझते रहे और काम में लगे रहे, तभी एक बदमाश ने मैनेजर अंकित सोनी को धमकाया।

इसके बाद लुटेरों ने मैनेजर से लॉकर की चाबी मांगी। लॉकर दो चाबियों से खुलता है, एक अंकित के पास थी, जो उसने दे दी। कुछ देर बाद बैंक अधिकारी रीना पटेल अपनी कुर्सी पर आकर बैठ गईं, उन्हें पहले यह नहीं समझ आया कि बैंक में लूट चल रही है। लुटेरों ने उनसे भी लॉकर की चाबी छीन ली और फिर लॉकर खोलकर जेवरात निकालने लगे। सीसीटीवी में दो बदमाश एक महिला कर्मचारी को स्ट्रॉन्ग रूम की ओर ले जाते दिख रहे हैं।

बैंककर्मियों को धमकाया, मदद भी करवाई- लुटेरे कट्टे की नोक पर जेवरात बैग में भर रहे थे। इस बीच उन्होंने बैंककर्मियों को धमकाया, 'तुम लोग भी मदद करो, जेवरात बैग में भरने में।' जब कर्मचारियों ने धीमी गति से काम किया, तो लुटेरों ने उन्हें हटा दिया और खुद तेजी से सोना भरना शुरू कर दिया। लूटपाट के दौरान उनकी नजर कैश काउंटर पर पड़ी, जहां 5 लाख रुपए नकद रखे थे। वे इसे भी लेते गए।

कर्मचारियों को बाथरूम में बंद कर हुए फरार

18 मिनट की इस लूट के दौरान लुटेरों ने न सिर्फ गोल्ड और कैश लूटा, बल्कि सभी बैंककर्मियों को अलग-अलग बाथरूम में बंद कर दिया और फिर बाइकों पर सवार होकर फरार हो गए। बैंक अधिकारियों ने पुलिस को बताया कि सामान्यतः बैंक की नकद लिमिट 10 से 12 लाख रुपए होती है। राखी के त्योहार को देखते हुए दो दिन पहले एटीएम में 5 से 7 लाख रुपए डाले गए थे और बाकी 5 लाख बैंक में रखे गए थे।

लुटेरों की तलाश में जुटी 15 थानों की पुलिस

सुबह 11 बजे जब एसपी संपत उपाध्याय को लूट की सूचना मिली, तो उन्होंने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद डीआईजी अतुल सिंह, एएसपी सूर्यकांत शर्मा और एएसपी जितेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। डीआईजी के निर्देश पर पूरे जिले में नाकाबंदी कर दी गई है। लुटेरों की तलाश के लिए 15 थानों की पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमें लगी हैं। 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा चुके हैं, लेकिन लुटेरे अभी तक पकड़ से बाहर हैं। सभी लुटेरे ब्लैक हेलमेट पहने हुए थे, जिससे पहचान मुश्किल हो रही है। पुलिस अब सिहोरा और जबलपुर की उन दुकानों से भी पूछताछ कर रही है जहां से हाल ही में एक साथ 5 हेलमेट खरीदे गए हों।

लूटे गए सोने का बीमा था

पुलिस की जांच में पता चला है कि लॉकर में रखा सारा सोना ग्राहकों का था और 14.5 करोड़ रुपए के इस सोने का बीमा भी कराया गया था। हालांकि, इस घटना के बाद बैंक की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। जहां अन्य बैंक सुबह 10:30 बजे खुलते हैं, वहीं इसाफ बैंक सुबह 7 बजे ही खुल जाता है। इतनी बड़ी संपत्ति होने के बावजूद बैंक ने न तो कोई सुरक्षा गार्ड रखा, और न ही बैंक की सुरक्षा के लिए बुनियादी उपाय किए।

नर्मदापुरम में पेट्रोल पंप कर्मचारी से 3.5 लाख की लूट

दो नकाबपोश ने धक्का देकर गिराया, बैग छीनकर भागे, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

नर्मदापुरम (नप्र)। नर्मदापुरम के रामपुर गांव में सोमवार शाम एक बड़ी लूट की वारदात हो गई। पेट्रोल पंप के कर्मचारी से बैंक में जमा करने जा रहे साढ़े तीन लाख रुपए नकाबपोश बदमाश छीनकर फरार हो गए। वारदात रामपुर पेट्रोल पंप से करीब 100 मीटर दूर हुई।

घटना की सूचना मिलने के बाद रामपुर थाना पुलिस और इटारसी एसडीओपी वीरेंद्र मिश्रा मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। हालांकि, रात 12 बजे तक एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकी थी।

बैंक में जमा करने जा रहा था पैसा

पेट्रोल पंप संचालक समर सिंह तोमर ने बताया कि कर्मचारी घनश्याम उर्फ मनीष कुशवाह, करीब तीन साल से उनके पंप पर काम कर रहा है। वह पेट्रोल-डीजल की दो दिन की बिक्री के 3.5 लाख रुपए लेकर शाम करीब 4 बजे बैंक ऑफ इंडिया, रामपुर शाखा में जमा करने जा रहा था।

इसी दौरान पीछे से बाइक पर सवार दो नकाबपोश बदमाश आए। उन्होंने घनश्याम को लात मारकर गिराया और उसके पास रखा रुपयों से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। यह पूरी जानकारी कर्मचारी ने पंप संचालक को दी।

पुलिस जांच में जुटी, सीसीटीवी खंगाले जा रहे

रामपुर थाना प्रभारी विपिन पाल ने बताया कि क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि बदमाशों की पहचान की जा सके। पुलिस पेट्रोल पंप के आसपास उस समय मौजूद मोबाइल नंबरों की लोकेशन भी निकाल रही है।

इसके अलावा पुलिस कर्मचारी घनश्याम से भी लगातार पूछताछ कर रही है ताकि घटना की सच्चाई और पूरी जानकारी सामने आ सके। टीआई ने बताया कि मामले में हर संभव एंगल से जांच की जा रही है और जल्द ही लुटेरों को पकड़ा जाएगा।

नर्मदा नदी में कूदे थे दंपत्ति, पत्नी का शव मिला

बड़वानी में 2 महीने के बच्चे को पुल पर छोड़कर किया था सुसाइड, पति की तलाश

बड़वानी (नप्र)। बड़वानी में छोटी कसरावद पुल से नर्मदा नदी में कूदने वाले दंपत्ति में से पत्नी का शव एसडीईआरएफ ने मंगलवार सुबह बरामद कर लिया। टीम पति की तलाश कर रही है। दंपत्ति ने 11 अगस्त की रात करीब 8 बजे, 2 माह के बच्चे को पुल पर छोड़कर नदी में छलांग लगाई थी।

जागृति बडोले | नीलेश बडोले

दंपत्ति की पहचान नीलेश बडोले (22) और जागृति बडोले के रूप में हुई है। ये राजपुर तहसील के बोदरा के रहने वाले थे। नीलेश की रिश्ते की बहन ममता चौहान ने बताया कि दोनों की शादी दो साल पहले हुई थी। सोमवार दोपहर दोनों घर से मजदूरी के लिए गुजरात के सूरत जाने के लिए निकले थे।

बहन ने कहा- सुसाइड की वजह पता नहीं- ममता चौहान ने बताया कि नीलेश परिवार में इकलौता बेटा था। मंगलवार को हमें सूचना मिली कि दोनों ने कसरावद पुल से छलांग लगा दी है। हम जिला अस्पताल पहुंचे हैं। बच्चे को देखने मामा और परिवार के अन्य सदस्य धार जिले के नसीरपुर गए हैं। उन्होंने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसकी जानकारी नहीं है।

पैदल ही पुल पर पहुंचे थे, फिर लगाई छलांग- कुक्षी थाना प्रभारी राजेश यादव ने कहा- महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बड़वानी भेजा गया है। स्थानीय निवासी लक्ष्मण बघेल के मुताबिक, दंपती पैदल ही धार-बड़वानी को जोड़ने वाले पुल पर पहुंचे। काफी देर तक वहां खड़े रहे। फिर बच्चे को नीचे रखकर नदी में कूद गए। लोगों ने उन्हें बचाने के लिए लाइफ रिंग फेंकी। कुछ देर तक दोनों नदी में हाथ-पैर मारते दिखे। इसके बाद पानी में गायब हो गए।

बच्चे को जिला अस्पताल पहुंचाया- मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। समाजसेवी अजित जैन मासूम बच्चे को बाइक से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। ड्यूटी डॉ. उमेश ने बताया कि बच्चे का वजन करीब तीन किलो है। वह पूरी तरह स्वस्थ है। फिलहाल, उसे जिला अस्पताल के पीआईसीयू में रखा गया है।

पीसीसी चीफ बोले- राहुल गांधी की लड़ाई सिर्फ राजनीतिक नहीं

मैहर में जीतू पटवारी ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना, ईवीएम में गड़बड़ी बड़ा मुद्दा

मैहर (नप्र)। कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंगलवार को मैहर में मां शारदा के दर्शन किए। मंदिर के प्रधान पुजारी पवन महाराज ने उनकी पूजा-अर्चना कराई। इस दौरान पटवारी ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बात रखी।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की लड़ाई सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक की लड़ाई है। पटवारी ने ईवीएम में संभावित गड़बड़ी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अगर एक व्यक्ति दस मतों का उपयोग कर रहा है, तो लोकतंत्र खतरे में है।

पटवारी ने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग बीजेपी के प्रवक्ता की तरह काम कर रहा है। उनका कहना था कि नरेंद्र मोदी को तीन बार प्रधानमंत्री बनाने में चुनाव आयोग का सहयोग चिंताजनक है।

प्रदेश सरकार को भी घेरा- मध्य प्रदेश की मौजूदा सरकार पर भी पटवारी ने हमला बोला। उन्होंने कहा कि मोहन यादव सरकार के 19 महीने में किसी भी वादे को पूरा नहीं किया गया। गेहूं के 2700 रुपए, धान के 3100 रुपए, बहनों को 3000 रुपए, 450 रुपए का गैस सिलेंडर और ढाई लाख नौकरियों का वादा अधूरा है।

बावड़िया कलां से आशिमा मॉल तक जल्द बनेगा आरओबी : राज्यमंत्री श्रीमती गौर

लंबित कार्य जल्द पूर्ण कर निर्माण कार्य शुरू करने के दिए निर्देश

भोपाल (नप्र)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने बावड़िया कलां चौराहा से आशिमा मॉल तक रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के लिए भू-अर्जन कार्रवाई जल्द पूर्ण कर ब्रिज निर्माण की बाधा को दूर करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सुव्यवस्थित यातायात और जन सुविधा के लिए इसका निर्माण जल्द शुरू करें। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने मंत्रालय में गोविंदपुरा क्षेत्र के अंतर्गत स्वीकृत, निर्मित और निर्माणाधीन सेतु कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को ये निर्देश दिए।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि स्वीकृत ड्राइंग पर रोटरी बनाकर चारों कोनों के लेफ्ट टर्न क्लियर किये जायें, जिससे यातायात व्यवस्थित हो। श्रीमती गौर ने बताया कि पूर्व निर्मित श्री बाबूलाल गौर रेलवे ओवर ब्रिज पर सुरक्षा के लिए रोड सेफ्टी फर्नीचर लगाए जाएंगे। नर्मदापुरम की तरफ मार्ग का चौड़ीकरण किया जाएगा। यह सभी कार्य लगभग 1 करोड़ 50 लाख की लागत से किए जाएंगे। उन्होंने बावड़िया कलां चौराहा से आशिमा मॉल तक रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य 15 अक्टूबर तक शुरू करने के निर्देश दिए। यह ब्रिज लगभग 2 वर्ष में बनकर तैयार हो जाएगा। बैठक में लोक निर्माण विभाग, नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे।

चेन्नई की आयकर टीम ने पटाखा कारोबारी के यहां छापेमारी की

सिमरोल गोदाम से जांच की, शिवकाशी कनेक्शन ढूंढा

इंदौर। चेन्नई से आई आयकर विभाग की टीम ने सोमवार को इंदौर के नामी पटाखा कारोबारी लक्ष्मी ग्रुप के ठिकानों पर छापेमारी की। कार्रवाई सुबह करीब 9 बजे सिमरोल इलाके में स्थित ग्रुप के बड़े गोदाम से शुरू हुई। स्थानीय प्रशासन और पुलिस की मौजूदगी में टीम ने गोदाम का कब्जा लेकर अंदर दस्तावेज, रजिस्टर और अन्य कारोबारी रिकॉर्ड की जांच शुरू की। सोमवार देर रात तक यह तलाशी अभियान जारी रहा।

इस कार्रवाई में कम से कम 15 अधिकारी शामिल थे, जिनमें आयकर विभाग के जांच अधिकारी, टेक्निकल स्टाफ और स्थानीय राजस्व अधिकारी भी मौजूद रहे। छापे के दौरान गोदाम परिसर के अंदर-बाहर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई और किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। जानकारी के मुताबिक, यह छापेमारी दक्षिण भारत के बड़े पटाखा समूहों पर चल रही देशव्यापी जांच का हिस्सा है।

पहले चरण में आयकर विभाग ने तमिलनाडु के शिवकाशी और अन्य शहरों में पटाखा कंपनियों के ठिकानों से बड़े पैमाने पर दस्तावेज, डिजिटल डेटा और लेन-देन से जुड़े सबूत जुटाए थे। इन दस्तावेजों में इंदौर के लक्ष्मी ग्रुप सहित देश के कई प्रमुख पटाखा कारोबारियों के साथ व्यावसायिक लेन-देन और आर्थिक कनेक्शन की जानकारी मिली। इन्हीं सुरागों के आधार पर सोमवार को इंदौर सहित देशभर के कई शहरों में एक साथ दबिश दी गई।

जांच में क्या खोजा गया

आयकर विभाग का मुख्य फोकस नकद लेन-देन के सबूत, टैक्स चोरी से जुड़े दस्तावेज, शेल कंपनियों के जरिए हुई खरीद-फरोख्त के रिकॉर्ड, फर्जी बिलिंग या अघोषित संपत्ति के प्रमाण जुटाना है। टीम ने गोदाम में रखे कंप्यूटर सिस्टम, बिल बुक, ट्रांजैक्शन रजिस्टर और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले। सोमवार देर रात तक यह कार्रवाई जारी रही। आयकर विभाग की टीम अभी भी दस्तावेजों की स्कैनिंग और सीलिंग प्रक्रिया में जुटी रही। सूत्रों का कहना है कि जांच के बाद कई कारोबारी और अकाउंटिंग स्टाफ को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किए जा सकते हैं।

ट्रेन के इंजन में घुसा मानसिक रोगी, बोला- आज मैं चलाऊंगा?

ग्वालियर में लोको पायलट की सीट पर बैठा जिद पर अड़ा तो पुलिस बुलानी पड़ी

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर से कैलारस जाने वाली मेमू ट्रेन में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक व्यक्ति ट्रेन के इंजन में लोको पायलट की सीट पर जा बैठा। बोला- आज ट्रेन मैं चलाऊंगा। सहायक लोको पायलट ने उसे उतरने को कहा तो हंगामा करने लगा और ट्रेन चलाने की जिद पर अड़ गया। इसके बाद तीन से चार सहायक लोको पायलट इंजन में पहुंचे और उसे काफी मुश्किल से बाहर निकाला।

घटना सोमवार शाम की है, जिसका 28 सेकेंड का वीडियो मंगलवार को सामने आया है। इंजन में घुसे युवक को जब बाहर निकालने का प्रयास किया गया, तो उसने स्टाफ से झूमाझटकी और मारपीट की। इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों ने रेलवे सुरक्षा बल को दी। युवक मानसिक रूप से कमजोर बताया जा रहा है। स्टेशन पर काफी भीड़ थी। अनजान युवक के इंजन में हंगामा करने से लोग घबरा गए। ग्वालियर से कैलारस के लिए मेमू शाम 4.55 बजे रवाना होती है। यह ट्रेन प्लेटफार्म तीन पर लगभग एक घंटे पहले आ जाती है। सोमवार को यह ट्रेन शाम 4 बजे से पहले आ गई, तभी युवक इंजन में घुस गया। युवक लोको पायलट की सीट पर बैठा गया। सहायक लोको पायलट की नजर उस पर पड़ी। बस यहीं से हंगामा शुरू हो गया। जब उसे रोकना चाहा तो वह अड़ गया कि आज तो मैं ही ट्रेन चलाऊंगा। उसके जिद करने और बार-बार खिसियाने से सहायक लोको पायलट समझ गया कि व्यक्ति मानसिक रूप से सामान्य नहीं है। सहायक लोको पायलट ने आरपीएफ और रेलवे के अधिकारियों को सूचना दी।

जबलपुर समेत 11 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

साढ़े 4 इंच तक पानी गिरेगा ; दमोह और मैहर में बारिश, भोपाल में बादल

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के जबलपुर समेत 11 जिलों में मंगलवार को भारी बारिश का अलर्ट है। यहां अगले 24 घंटे में साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। वहीं, 13 अगस्त से बंगाल की खाड़ी से लो प्रेशर एरिया (कम दबाव का क्षेत्र) एक्टिव हो रहा है। जिसका असर भोपाल, इंदौर और उज्जैन संभाग में भी दिखाई देगा। मंगलवार सुबह दमोह और मैहर में बारिश हुई। भोपाल में बादल छाए हैं।

छतरपुर के नौगांव में 2.3 इंच बारिश- मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान छतरपुर, सतना, पन्ना, रीवा, मैहर, दमोह, कटनी, जबलपुर, सिवनी, मंडला और बालाघाट में भारी बारिश होने की संभावना जताई है। 13 अगस्त को दक्षिणी हिस्से के जिलों में बारिश के आसार हैं। वहीं, 14 अगस्त को भोपाल, नर्मदापुरम, उज्जैन, इंदौर और जबलपुर संभाग के जिलों में तेज बारिश होने का अनुमान है।

इससे पहले सोमवार को छतरपुर जिले के नौगांव में 2.3 इंच बारिश हो गई। दतिया, ग्वालियर, पचमढ़ी, दमोह, खजुराहो, सतना, सिवनी समेत कई जिलों में हल्की बारिश दर्ज की गई।

15 अगस्त से लगातार तेज बारिश- सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि एक ट्रफ और दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की एक्टिविटी है। इस वजह से प्रदेश में बारिश हो रही है। 13 अगस्त से एक लो प्रेशर एरिया भी एक्टिव हो रहा है। इस वजह से 15 अगस्त से लगातार तेज बारिश होने का अनुमान है।

तेज झड़ी लगते ही कई जिलों में कोटा होगा फुल- वैज्ञानिकों के अनुसार, अगस्त के दूसरे सप्ताह में तेज बारिश का दौर शुरू होगा, जो आखिरी तक चलता रहेगा। ऐसे में कई जिलों में बारिश का कोटा अगस्त में ही पूरा हो जाएगा। हालांकि, अब तक ग्वालियर समेत 10 जिलों में कोटा पूरा हो चुका है, लेकिन इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों की तस्वीर बेहतर नहीं है। पूर्वी हिस्से यानी जबलपुर, सागर, शहडोल और रीवा संभाग में औसत से 36 प्रतिशत और पश्चिमी हिस्से यानी भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल और नर्मदापुरम संभाग में 23 प्रतिशत बारिश अधिक हुई है। अब तक ओवरऑल 29 प्रतिशत बारिश ज्यादा हो चुकी है।

रणथंभौर से मादा चीता ज्वाला का रेस्क्यू

आबादी वाले क्षेत्र में किया था बकरियों का शिकार ; बेहोश कर वापस ला रहे कूनो

श्योपुर (नप्र)। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के रणथंभौर अभयारण्य में पहुंची कूनो नेशनल पार्क की मादा चीता 'ज्वाला' को ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू कर लिया गया। रेडियो कॉलर की मदद से लोकेशन ट्रैक करते हुए कूनो की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची, जहां विशेषज्ञों ने ज्वाला को बेहोश कर वाहन से सुरक्षित कूनो ले जाया गया।

इसके पहले कूनो से रणथंभौर नेशनल पार्क में मादा चीता 'ज्वाला' की एंट्री से लोगों की चिंता भी बढ़ गई थी। देर शाम ज्वाला को रणथंभौर पार्क क्षेत्र में देखा गया, जो एक दिन पूर्व मानपुर और काशीपुर (मध्यप्रदेश) में देखी गई थी। बताया जा रहा है कि देर शाम उसकी लोकेशन रामेश्वर त्रिवेणी संगम क्षेत्र में दर्ज हुई थी।

फतेहपुर गांव में गोवंश का शिकार करने के बाद ज्वाला सीप नदी पार कर बगदियां चंबल किनारे पहुंची। वहीं, मंगलवार अलसुबह राजस्थान के बहरावंडा कलां थाना क्षेत्र के करीरा गांव में उसने दो बकरियों का शिकार कर लिया। घटना के बाद से वह बकरियों के बाड़े के पास ही मौजूद रही। मौके पर मध्यप्रदेश के कूनो अभयारण्य की ट्रैकिंग टीम और राजस्थान वन विभाग की टीम उस पर नजर रख रही थी।

वन विभाग ने किया था अलर्ट जारी- ज्वाला, कूनो नेशनल पार्क से निकलकर राजस्थान की सीमा में पहुंची थी, जिसके बाद दोनों राज्यों की वन्यजीव टीमें अलर्ट पर थीं। उसकी मूवमेंट पर सुरक्षा कैमरों और रेडियो कॉलर के जरिए 24 घंटे निगरानी रखी जा रही थी। वन विभाग ने कहा था कि फिलहाल वह सुरक्षित है, लेकिन रणथंभौर में पहले से मौजूद बाघों के साथ आमना-सामना होने पर खतरे की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

नए क्षेत्र की तलाश में ज्वाला

सीसीएफ उत्तम शर्मा के अनुसार, यह मूवमेंट संभवतः ज्वाला के नए क्षेत्र की तलाश और शिकार की उपलब्धता से जुड़ा है। ऐसे मामलों में जंगली जीव अक्सर अपने पुराने क्षेत्र से निकलकर नए इलाकों में जाते हैं, जहां उन्हें पर्याप्त शिकार और अनुकूल वातावरण मिल सके। रणथंभौर का इलाका शिकार प्रजातियों से भरपूर है, जो ज्वाला को आकर्षित कर सकता है। ज्वाला का रणथंभौर आगमन वन्यजीव संरक्षण के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह बड़े मांसाहारी जीवों के क्षेत्र विस्तार और उनके व्यवहार पर नए अध्ययन का अवसर प्रदान करेगा। वहीं, पर्यटन के लिहाज से भी यह खबर उत्साहजनक है, क्योंकि चीतों का खुला विचरण पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन सकता है।